दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 30 | अंक: 234 | भोपाल, सोमवार 8 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

संक्षिप्त खबरें

पंजाब के हालात बहुत खराब, पीएम मोदी 9 को करेंगे दौरा

नई दिल्ली। पूरा पंजाब इस समय बाढ़ की चपेट में है, चारों ओर पानी-पानी और तबाही नजर आ रही है। इसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर में खड़ी फसल बर्बाद हो गई है और 23 जिलों के 1996 गांव बाढ़ के पानी में पूरी तरह डूब चुके हैं। इसी बीच खबर है कि पीएम नरेंद्र मोदी पंजाब के बढ़ा प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पीएम मोदी 9 सितंबर को पंजाब के बाढ़ प्रभावित जिले गुरदासपुर का दौरा करेंगे और स्थिति का जायजा लेंगे। एक अधिकारी ने बताया कि एनडीआरएफ, सेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस और जिला अधिकारियों द्वारा राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

जीएसटी में बदलाव से खेती की लागत कम होगी, बढ़ेगा मुनाफा

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश दौरे में पत्रकारों से बातचीत में जीएसटी को लेकर कहा कि जीएसटी सुधारों का कृषि क्षेत्र पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिससे छोटे और मध्यम किसानों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरों में कमी से खेती की लागत कम होगी और किसानों का मुनाफा बढ़ेगा। चौहान ने कहा कि जैव-कीटनाशकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों पर जीएसटी कम किया गया है, जिससे किसानों को फायदा होगा। साथ ही रासायनिक उर्वरकों से जैव-उर्वरकों की ओर किसानों का रुझान बढ़ेगा। जिससे न केवल आम जनता को लाभ होगा, बल्कि किसानों, पशुपालकों और दूध उत्पादकों को भी फायदा होगा।

पूर्व पीएम देवगौड़ा के पोते को जेल में काम मिला, उम्रकैद काट रहा

बेंगलुरु एजेंसी। पूर्व जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा का पोता प्रज्वल रेवन्ना जेल में लाइब्रेरी संभालेगा। बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल प्रशासन ने रविवार को यह जानकारी दी। जेल प्रशासन ने बताया कि रेवन्ना का काम जेल की लाइब्रेरी में कैदियों को किताबें जारी करना और उनका रिकॉर्ड संभालना होगा। जेल के नियमों के मुताबिक, कैदियों को हर महीने कम से कम 12 दिन यानी हफ्ते में तीन दिन काम करना जरूरी है। अगर रेवन्ना तय शर्तों को पूरा करते हैं तो उन्हें हर दिन की मजदूरी 522 रुपए के हिसाब से मिलेगी। हर कैदी को उसकी योग्यता और इच्छा के आधार पर काम दिया जाता है।

मध्यप्रदेश में मौसम: रायसेन में हलाली डैम के दो गेट खुले

छतरपुर में डैम में डूबा किशोर, भोपाल में तर्पण करने गए दादा डूबे, पोती लापता

भोपाल | नगर संवाददाता

मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन हल्की बारिश का दौर रहेगा। रविवार सुबह भोपाल के बैरसिया की ब्रह्म नदी में बुजुर्ग और उनकी पोती बह गए। खजुरिया रामदास गांव में करीब 9 बजे बाबूलाल साहू (70), अपनी पोती चिंको (12) और एक पोते के साथ नदी में तर्पण करने गए थे। इसी दौरान पोती बहने लगी तो बाबूलाल उसे बचाने पानी में कूदे। लेकिन तेज बहाव में फंसकर वे और पोती दोनों बह गए।

करीब साढ़े 3 घंटे के बाद घटनास्थल से आधा किमी दूर बुजुर्ग का शव मिला। एसडीआरएफ की टीम बच्ची को तलाश रही है। उधर, छतरपुर में अंकित पिता तुलसीदास पटेल (15) की थरा बांध में डूबने से मौत हो गई। वह अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने गया था। इसी दौरान नहाते समय उसका पैर फिसला और वह गहरे पानी में चला गया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बराजखेरा गांव का रहने वाला अंकित परिवार का इकलौता बेटा था। रायसेन में सम्राट अशोक सागर हलाली डैम के दो गेट आज भी खुले हैं। इनको 0.75 मीटर तक खोलकर 112.97 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है।

कई जिलों में बारिश का दौर बना रहा

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- प्रदेश में शनिवार को बारिश के दो स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव रहे। इनमें एक मानसून समेत दो टर्फ शामिल हैं। इस वजह से कई जिलों में बारिश का दौर रहा लेकिन रविवार को कहीं भी तेज बारिश का अलर्ट नहीं है।

गुना में 63.8 इंच बारिश श्योपुर-मंडला भी आगे

इस बार बारिश के मामले में गुना सबसे बेहतर है। यहां 63.8 इंच बारिश हो चुकी है। गुना में सामान्य से 30.6 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। श्योपुर में 56 इंच, मंडला में 55.9 इंच, अशोकनगर में 53.9 इंच और रायसेन में 55.8 इंच बारिश हुई है। सबसे कम बारिश वाले 5 जिले इंदौर और उज्जैन संभाग के हैं। खरगोन में सबसे कम 25.6 इंच, बुरहानपुर में 25.8 इंच, शाजापुर में 26.2 इंच, खंडवा में 26.4 इंच और बड़वानी में 26.5 इंच बारिश हो चुकी है।

22 जिलों में बारिश का कोटा फुल

मौसम विभाग के अनुसार, एमपी में अब तक 40.6 इंच बारिश हो चुकी है, जो सीजन की 111 प्रतिशत है। अब तक 32.8 इंच बारिश होनी थी। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। पिछले मानसूनी सीजन में औसत 44 इंच बारिश हुई थी। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का कोटा फुल हो गया है।

एक शव 20 फीट गहरे नाले से मिला

कार ने बाइक को टक्कर मारी मां-बेटे समेत 3 की मौत

जबलपुर | नगर संवाददाता

जबलपुर से करीब 40 किलोमीटर दूर पाटन-शहपुरा रोड पर शनिवार रात तेज रफ्तार क्रेटा कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। चार गंभीर हैं।

पुलिस के मुताबिक, शहपुरा निवासी शकीला बी (45) अपने बेटों- रमजान उर्फ शोहेब (19) और फैजान (12) के साथ बाइक नंबर एमपी20 एमडी 9473 से पाटन गई थी। रात को लौटते समय ग्वारी गांव के पास पीछे से आ रही सफेद क्रेटा कार नंबर एमपी20 जेडएन 8904 ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में शकीला बी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि शोहेब ने रविवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पैदल जा रही फागनी बाई (60) भी हादसे का शिकार हुई है। उसका शव रविवार सुबह घटनास्थल पर तलाशी के दौरान नाले से मिला। वह ग्वारी गांव की रहने वाली थी। क्रेटा चालक लखन सिंह (80) समेत चार लोग घायल हैं, जिन्हें जबलपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

20 फीट गहरे नाले में मिला महिला का शव

सूचना मिलते ही पाटन पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। रविवार सुबह एसडीओपी लोकेश डाबर निरीक्षण करने पहुंचे तो फागनी बाई का शव 20 फीट गहरे नाले में मिला। परिजन ने बताया कि वह शनिवार रात किसी काम से पाटन गई थी। देर रात तक घर नहीं लौटी थी।

मुख्यमंत्री ने देवतालाब में 241 करोड़ 33 लाख रुपए के निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास और लोकार्पण

देवतालाब, बनारस और प्रयागराज धार्मिक क्षेत्र का अनूठा त्रिकोण: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- लाड़ली बहनों को दीपावली के बाद से 1500 रुपए प्रतिमाह अंतरित किए जाएंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कहा है कि शिव मंदिर देवतालाब अदभुत है। यहां पांच तत्वों का आभास होता है। ऐसा अद्भुत मंदिर केवल विश्वकर्मा जी ही बना सकते हैं। देवतालाब, बनारस और प्रयागराज महत्वपूर्ण धार्मिक त्रिकोण हैं। देवतालाब आस्था, इतिहास और आनंद का संगम है। यह श्रृंगी ऋषि की तपोभूमि

है। ऐसी मान्यता है कि देवतालाब के शिव का दर्शन करने पर ही चारधाम की यात्रा का फल मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मऊगंज के देवतालाब स्टेडियम में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 241 करोड़ 33 लाख रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास कर विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये और मऊगंज को विकास की अनेक सौगातें देते हुए घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्यापूजन कर मऊगंज के संयुक्त जिला कार्यालय भवन का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमारे गांव स्वावलम्बन की अद्भुत मिसाल हैं। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में स्वदेशी को अपनाते हुए आत्मनिर्भरता और स्वावलम्बन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश एकजुट है। हमारी इस सामर्थ्य के परिणामस्वरूप ही देश की कीर्ति गाथा सम्पूर्ण विश्व में गूंज रही है।

विश्व की सभी महत्वपूर्ण नीतियों के निर्धारण में भारत है केंद्र बिंदु

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रयागराज और काशी विश्वनाथ के बीच बसा यह स्थान देवताओं की अभिरूचि की अभिव्यक्ति है। उनके स्वयं के लिए भी देवतालाब आगमन सदैव सुखद और भाग्यशाली रहा है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति ने विश्व को मानवता का विचार देते हुए जीवन जीने का सही मार्ग प्रशस्त किया। वर्तमान में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रभावशीलता के परिणाम स्वरूप विश्व की सभी महत्वपूर्ण नीतियों के निर्धारण में भारत केंद्र बिंदु बना हुआ है।

खेत में किसान और सीमा पर जवान का सम्मान हमारी सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खेत में किसान और सीमा पर जवान दोनों का सम्मान हमारी सरकार के लिए सर्वोपरि है। किसान सम्मान निधि तथा अन्य प्रोत्साहन गतिविधियों के माध्यम से राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। पर्याप्त सिंचाई और बिजली की उपलब्धता प्रदेश के सभी क्षेत्रों में सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हनुमना उद्वहन सिंचाई परियोजना मंजूर की गई है।

हाथ में कागज लेकर बॉर्डर पर घूम रही गोरी मैम से जवानों ने की पूछताछ, हुआ बड़ा खुलासा

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत और नेपाल सीमा पर एक गोरी सी महिला हाथ में कागज लेकर घूम रही थी। जवानों को संदेह हुआ और उससे पूछताछ की तो बड़े मामले का खुलासा हुआ। दरअसल, भारत-नेपाल सीमा गुरुवार को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने एक इंडोनेशियाई नागरिक को गिरफ्तार किया है। ये महिला अवैध रूप से नेपाल में प्रवेश करने का प्रयास कर रही थी।

मूल रूप से बाली निवासी नी कादेन सिसियानी नामक महिला को सिलीगुड़ी के पास पानी की टंकी में मेची नदी पर बने पुराने पुल पर पकड़ा गया। पहले तो जवानों ने भारत आने के प्रयोजन के बारे में पूछताछ की गई तो वह बातें घूमाने की कोशिश की। जवानों को शक हुआ तो

उन्होंने उसके पहचान पत्र की जांच की। उसके पास से भारत के जाली आधार कार्ड और पैन कार्ड मिले हैं। सेना के जवान दिन रात सीमा पहर मुश्तैदी से भारत में अवैध रूप से घुसने वाले या फिर देश के खिलाफ साजिश रचने वालों को नाकाम करते हैं। फिर भी कई बार ऐसा होता है कि अवैध प्रवासी प्राकृतिक बॉर्डर के जरिए भारत में घुसने में कामयाब हो जाते हैं और भारत के फर्जी डॉक्यूमेंट के साथ भारत में रहने लगते हैं।

रूस ने बनाई कैंसर की वैक्सीन वैज्ञानिकों ने सभी ट्रायल में टीके की सफलता का दावा किया

मास्को एजेंसी। रूस ने कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक नई सफलता हासिल की है। वहां की फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी ने कैंसर की वैक्सीन तैयार की है। एफएमबीडी प्रमुख वेरोनिका स्क्रोत्सोवा ने कहा कि रूसी एंटरोमिक्स कैंसर वैक्सीन अब इस्तेमाल के लिए तैयार है। एमआरएनए-बेस्ड इस वैक्सीन ने सभी प्रीक्लिनिकल टेस्ट को सफलतापूर्वक पार कर लिया है जिससे इसकी सुरक्षा और प्रभावशीलता साबित हो गई है। इस टीके का प्रारंभिक लक्ष्य कोलोरेक्टल कैंसर (कोलन कैंसर) होगा। रिपोर्ट के अनुसार, रूस के कैंसर वैक्सीन ने शानदार प्रदर्शन किया है और एफएमबीएकी प्रमुख वेरोनिका स्क्रोत्सोवा ने ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में इसकी घोषणा की है।

रेलवे शिव भक्तों को 24,100 रुपए में कराएगा सात ज्योतिर्लिंग के दर्शन

- भारत गौरव ट्रेन पैकेज 12 दिन का, 18 नवंबर को ऋषिकेश स्टेशन से होगी शुरुआत

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रेलवे खास स्कीम लाया है। इसके जरिए नवंबर के महीने में कम पैसों में भक्त सात ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकेंगे। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के इस पैकेज की शुरुआती कीमत सिर्फ 24,100 रुपए रखी गई है। आईआरसीटीसी का भारत गौरव ट्रेन पैकेज 12 दिन का है।

इसकी शुरुआत 18 नवंबर को ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से होगी। इस यात्रा के दौरान भक्ति, आराम का एक अनूठा अनुभव श्रद्धालुओं को मिलेगा। आईआरसीटी के इस पैकेज में श्रद्धालुओं को ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर, नागेश्वर, सोमनाथ, त्र्यंबकेश्वर, भीमाशंकर और घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने का मौका मिलेगा। इसके अतिरिक्त पड़ावों में द्वारकाधीश मंदिर और बेट द्वारका शामिल हैं। इस यात्रा की शुरुआत 18 नवंबर को होगी और 29 नवंबर को इसका समापन होगा। यह यात्रा कुल 11 रातें/12 दिन की होगी। हरिद्वार, लखनऊ, कानपुर और अन्य स्टेशनों पर बोर्डिंग विकल्प उपलब्ध हैं।

भारत गौरव ट्रेन में कुल 767 यात्री बैठ सकेंगे। इस ट्रेन का किराया कम्फर्ट (2एसी)-54,390 रुपए प्रति व्यक्ति, स्टैंडर्ड (3एसी) - 40,890 रुपए प्रति व्यक्ति, इकॉनमी (स्लीपर)-24,100 रुपए प्रति व्यक्ति होगा। यात्रियों को शाकाहारी भोजन, होटल व धर्मशाला में ठहरने, निर्देशित भ्रमण, यात्रा बीमा और टूर एस्कॉर्ट्स की सुविधा प्रदान की जाएगी। बता दें आईआरसीटीसी के भारत गौरव पैकेज यात्रा में भोजन से लेकर आवास तक सभी जरूरी सुविधाएं मिलती हैं। इससे श्रद्धालु बिना किसी तनाव या चिंता के तीर्थयात्रा कर सकते हैं।

विदेश | **पार्टी टूटने से बचाने के लिए पद छोड़ा**

जापान के प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया: बहुमत खोने के बाद इशिबा को हटाने की मांग हुई थी

एजेंसी | टोक्यो

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने रविवार को इस्तीफा दे दिया है। इशिबा ने यह कदम सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर विभाजन से बचने के लिए उठाया है।

जापानी मीडिया NHK ने यह खबर दी है। इशिबा की गठबंधन सरकार जुलाई में हुए ऊपरी सदन (हाउस ऑफ काउंसलर्स) के चुनाव में हार गई थी। इशिबा ने इसके लिए हाल ही में माफी मांगी थी और कहा था कि वह इस्तीफा देने के बारे में निर्णय लेंगे।

चुनावी हार के बाद LDP के भीतर इशिबा को हटाओ आंदोलन

तेज हो गया था। पार्टी के कुछ नेताओं और सांसदों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए, जिससे उनकी स्थिति कमजोर हो गई थी। अब उनके हटने के बाद LDP में नई लीडरशिप की दौड़ शुरू होगी।

इशिबा की पार्टी ऊपरी सदन में बुरी तरह हारी थी

इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और उसके सहयोगी दल ने जुलाई में हुए चुनावों में देश के ऊपरी सदन में अपना बहुमत खो दिया था। हालांकि उस समय उन्होंने कहा था कि वो प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे। जापानी संसद के उच्च सदन में कुल 248 सीटें हैं। इशिबा के गठबंधन के पास पहले से 75 सीटें थीं। बहुमत बनाए रखने के लिए उन्हें इस चुनाव में कम से कम 50 नई सीटों की जरूरत थी, लेकिन उन्हें केवल 47 सीटें ही मिल पाईं।

संसद में बहुमत नहीं, फिर भी इशिबा प्रधानमंत्री बने थे

जापान में अक्टूबर 2024 में हुए चुनाव में LDP-कोमेतो गठबंधन को 465 में से सिर्फ 215 सीटें मिली थीं। यहां बहुमत के लिए 233 सीटें चाहिए। LDP सबसे बड़ी पार्टी रही। कोई दूसरा गठबंधन सरकार बनाने की स्थिति में नहीं था। मुख्य विपक्षी दल CDPJ को 148 सीटें मिलीं। बाकी विपक्षी पार्टियां आपस में बंटी हुई हैं। विपक्ष नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाना चाहता था, लेकिन इशिबा ने चेतावनी दी कि ऐसा हुआ तो वे संसद भंग करके दोबारा चुनाव कराएंगे। जिससे विपक्ष पीछे हट गया।

फिर मुंबई में बम धमाके की धमकी भरा संदेश, अब नायर अस्पताल को किया ईमेल

मुंबई एजेंसी। मुंबई के प्रसिद्ध नायर अस्पताल में बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। यह धमकी शनिवार रात करीब 11 बजे अस्पताल के डीन के आधिकारिक ईमेल आईडी पर मिली। इस घटना से अस्पताल परिसर में कुछ देर के लिए भय और दहशत का माहौल बन गया। हालांकि, पुलिस द्वारा त्वरित निरीक्षण करने पर अस्पताल परिसर में कोई संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। फिलहाल, पुलिस ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुटी है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह धमकी भरा ईमेल किसी अज्ञात व्यक्ति ने भेजा था। इसमें अस्पताल को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। अस्पताल प्रशासन ने इस ईमेल की सूचना मुंबई पुलिस को दी। पुलिस ने बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की मदद से अस्पताल परिसर की गहन जांच की। जांच के दौरान कोई संदेहास्पद वस्तु नहीं मिला।

सहारा इंडिया के खिलाफ चार्जशीट

अदालत में सुब्रत राय के बेटे को भगोड़ा बताया

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ने सहारा इंडिया समूह के खिलाफ कोलकाता की अदालत में पूरक चार्ज शीट दाखिल कर दी है। इसमें 1 ।74 लाख करोड रुपए के चिटफंड घोटाले का उल्लेख है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने सहारा इंडिया के संस्थापक दिवंगत सुब्रत राय की पत्नी सुषमा राय और उनके बेटे सुशांत राय को आरोपी बनाया है। इसके अलावा कंपनी के आठ अन्य अधिकारियों को भी आरोपी बनाया गया है। चार्ज शीट में सुशांत राय को भगोड़ा घोषित किया गया है।

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय,सुब्रत राय के बेटे के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करा रही है। उल्लेखनीय है सहारा समूह के खिलाफ मध्य प्रदेश राजस्थान सहित कई राज्यों में 500 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं। इसमें करीब 300 मामले केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के दायरे में आते हैं। ईडी ने उड़ीसा बिहार और राजस्थान में तीन मामले दर्ज किए थे।

इसमें इंडिया क्रेडिट को ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड एवं अन्य सहारा की संस्थाएं शामिल थी।

हाल ही में ईड़ी के अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मुंबई के सहारा समूह के ठिकानों पर छापेमारी की थी। सहारा समूह की भूमि और शेयर से जुड़े दस्तावेज जप्त किए थे। इसे पूरक चार्ज सीट में शामिल किया गया है। आरोप के अनुसार सहारा निवेशकों के पैसे का उपयोग चुनाव और अन्य कारोबार के लिए अवैध रूप से किया गया था। जिसमें सैकड़ो एकड़ जमीन खरीदी गई। जो चार्ज शीट पेश की गई है।

संपादकीय

बदरूप होता टकराव

पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को टीएमसी और बीजेपी विधायकों के बीच तीखी बहस हुई। विपक्षी विधायकों के हंगामे के बाद स्पीकर ने बीजेपी के चीफ व्हिप शंकर घोष को सस्पेंड कर दिया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को जो कुछ हुआ वह सदन की गरिमा और मर्यादा को तार-तार करने वाला है। टीएमसी और भाजपा के बीच की तल्खी विशेष सत्र के आखिरी दिन सतह पर आ गई। दोनों दलों में तगड़ी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और मतभेद हैं। सदन का इस्तेमाल इस पर सार्थक वाद-विवाद व चर्चा के लिए किया जा सकता था। सीएम ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी का आरोप है कि भाजपा शासित राज्यों में रहने वाले पश्चिम बंगाल के लोगों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। सदन में इसी पर चर्चा होनी थी, लेकिन जब विपक्षी विधायकों ने वेल में पहुंच कर हंगामा किया तो स्पीकर ने भाजपा के चीफ व्हिप शंकर घोष को सस्पेंड कर दिया। उनको बाहर निकालने के लिए मार्शल बुलाने पड़े। इस दौरान वह बेहोश हो गए। प्रवासी बांग्ला भाषियों का मुद्दा ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी के लिए बेहद संवेदनशील है। वह इसे बांग्ला अस्मिता व पहचान से जोड़कर आगे बढ़ रही हैं। कुछ अरसा पहले उन्होंने यहां तक कह दिया था कि दूसरे राज्यों में गए बंगाल के लोग लौट आएं, सरकार उनका ख्याल रखेगी। तीन दिन पहले जब कोलकाता में लगे तृणमूल कांग्रेस के अस्थायी मंच को सेना ने हटा दिया था, तब भी काफी बवेला मचा था। तब सेना की तरफ से बताया गया था कि पार्टी ने परमिशन खत्म होने के बाद भी मंच नहीं हटाया था, इसलिए उसे कार्रवाई करनी पड़ी।पश्चिम बंगाल एक लंबे अरसे से केंद्र और राज्य के बीच टकराव का मैदान बना हुआ है। राज्यपाल के अनधिकृत दखल से लेकर एसआईआर तक - विवाद के कई बिंदु हैं। पूर्व राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी और जगदीप धनखड़ व मौजूदा गवर्नर सीवी आनंद बोस के साथ राज्य के रिश्ते कभी सामान्य नहीं रहे। केशरीनाथ ने जाते-जाते ममता पर तुष्टिकरण का आरोप लगा दिया था, तो धनखड़ ने कहा था कि बंगाल में लोकतांत्रिक हालात सही नहीं हैं। वहीं, ममता का आरोप है कि राजभवन के जरिये केंद्र उनके अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप कर रहा है।विपक्ष शासित किसी और सूबे की तुलना में बंगाल में केंद्र-राज्य संघर्ष ज्यादा आक्रामक है। इसकी वजह है वहां की सियासत। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा पहली बार मुख्य विपक्षी पार्टी बनी थी। तब से वह अपना स्पेस लगातार बढ़ाने की कोशिश में है, जबकि टीएमसी के सामने चुनौती है अपनी जगह बचाए रखने की। राज्य में अगले साल मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। चुनावी तारीख नजदीक आने के साथ टकराव और गहरा होगा।

श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनेक लोक प्रचलित पद्धतियां हो सकती है। दुनिया भर में अपने पूर्वजों की स्मृति को स्थायी बनाने के लिए कुछ करने का प्रचलन है। हमारे अपने देश के हर समाज में, हर वर्ग में पुरखों के नाम पर यज्ञ, तप, दान, स्वाध्याय आदि किया जाता है। यहां भूखों को भोजन कराने, जरूरतमंदों की मदद करने की प्रथा रही है। बेशक कालान्तर में कर्मकांड इतने हावी हो गये कि वह अपने उद्देश्य से इतर सक्रिय हो गई। सद्इच्छा पर दबाव हावी हो गया। अनेक बार तो ऐसा न कर पाने पर सामाजिक बहिष्कार तक की नौबत आने लगी जिससे श्राद्ध के प्रति धारणा बदलने लगी। अनेक मत, अंध विश्वास तो इसे कोरा कर्मकांड और पाखंड तक कहने लगे।

दिवंगत पूर्वजों को श्रद्धा से स्मरण करने का नाम है श्राद्ध

(डा. विनोद बब्बर)

7 सितंबर से पितृपक्ष आरंभ हो रहे हैं। भारतीय संस्कृति अपने पूर्वजों को भी श्रद्धा से स्मरण करने की परंपरा है। भाद्रपद मास की समाप्ति और आश्विन मास के आरंभ अर्थात ऋतु संधि के अवसर पर सर्वश्रद्धया दत्तं श्राद्धम् (जो कुछ श्रद्धा से किया जाए वह सब श्राद्ध) कहलाता है। श्रत् नामक वृत्ति को धारण करने का नाम श्राद्ध कहलाता है। इसी श्राद्ध भाव से संबंध रखने के कारण आश्विन का कृष्णपक्ष श्राद्ध पक्ष कहलता है। इसमे परिजन अपने पुरखों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनेक लोक प्रचलित पद्धतियां हो सकती है। दुनिया भर में अपने पूर्वजों की स्मृति को स्थायी बनाने के लिए कुछ करने का प्रचलन है। हमारे अपने देश के हर समाज में, हर वर्ग में पुरखों के नाम पर यज्ञ, तप, दान, स्वाध्याय आदि किया जाता है। यहां भूखों को भोजन कराने, जरूरतमंदों की मदद करने की प्रथा रही है। बेशक कालान्तर में कर्मकांड इतने हावी हो गये कि वह अपने उद्देश्य से इतर सक्रिय हो गई। सद्इच्छा पर दबाव हावी हो गया। अनेक बार तो ऐसा न कर पाने पर सामाजिक बहिष्कार तक की नौबत आने लगी जिससे श्राद्ध के प्रति धारणा बदलने लगी। अनेक मत, अंध विश्वास तो इसे कोरा कर्मकांड और पाखंड तक कहने लगे। इन तमाम विरोधाभासों के बीच मेरे जैसे व्यक्ति का मत है कि आज की भागम-भाग की जिन्दगी में हम स्वयं को भूल रहे हैं। न समय पर सोना, न समय पर जागना। अपने परिजनों संग कब भोजन किया था, यह भी याद नहीं। ऐसे में अपने पूर्वजों, अपने जनक -जननी,उनके साथ बिताये मधुरम पलों को स्मरण करने का समय किसके पास है।

पितृपक्ष को यदि कर्मकांड अथवा धार्मिक अनुष्ठान न भी माने तो भी अपने अतीत अर्थात् अपने पूर्वजों को श्रद्धा से स्मरण करते हुए स्वयं परिवार सहित खीर-पूरी खाना अपराध नहीं हो सकता। अब यदि इसमें अपने मित्रों, के अतिरिक्त किसी जरूरतमंद को भी शामिल करते हैं तो उस पर्व का महत्व साकार होता है। किसी वृद्धाश्रम अथवा अनाथाश्रम में जाकर वहां रहने वालों की ज़रूरतें पूरी करना अथवा अपने अड़ोस पड़ोस के किसी मेधावी छात्र की मदद करते हुए श्राद्ध और श्रद्धा को वर्तमान संदर्भ में महसूस किया जा सकता है। केवल मनुष्य की नहीं, अपने परिवेश के जीवों- जंतुओं के प्रति अपनी जिम्मेवारी को समझने का संकल्प भी श्राद्ध और श्रद्धा को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। अब यदि हम परम्परा की बात करें तो यह कहा जाता है कि अपने पुरखों के निमित्त कुछ करने से वह उस दिवंगत आत्मा को प्राप्त होता है। इस बात से किस इंकार होगा कि बिना किसी दबाव, मजबूरी के सहर्ष अपने पुरखों के नाम पर पुण्य कार्य करने वाले के मन को असीम शांति मिलती है। व्यक्ति स्वयं को कृतकार्य मानने लगता है।

पुराणों में श्राद्ध की व्याख्या है। वायु पुराण में आत्मज्ञानी सूत जी ऋषियों से कहते हैं- हे ऋषिवृंद ! परमेष्ठि ब्रह्मा ने पूर्वकाल में जिस प्रकार की आज्ञा दी है उसे तुम सुनो। ब्रह्माजी ने कहा हैः 'जो लोग मनुष्यलोक के पोषण की दृष्टि से श्राद्ध आदि करेंगे, उन्हें पितृगण सर्वदा पुष्टि एवं संतति देंगे।'

ब्रह्म पुराण के अनुसार श्रद्धा और विश्वासयुक्त किए हुए श्राद्ध में पिंडों पर गिरी हुई जल की नन्हीं-नन्हीं बूंदों से पशु-पक्षियों की योनि में पड़े हुए पितरों को पोषण होता है। जिस कुल में जो बाल्यकाल में ही मृत्यु को प्राप्त हो गए हों, वे सम्मार्जन के जल से ही तृप्त हो जाते हैं।

भारतीय संस्कृति में जन-जन का यह अटूट विश्वास है कि मृत्यु के पश्चात जीवन समाप्त नहीं होता बल्कि जीवन को एक कड़ी के रूप में माना गया है जिसमें मृत्यु भी एक कड़ी है। प्रायः मृत व्यक्ति के संबंध में यह कामना की जाती है कि अगले जन्म में वह सुसंस्कारवान तथा ज्ञानवान बने। इस निमित जो कर्मकांड संपन्न किए जाते हैं, उसका लाभ जीवात्मा को श्रद्धा से किए गए क्रियाकर्मों के माध्यम से मिलता है, अतः मरणोत्तर संस्कार, श्राद्ध कर्म से उन्हें तर्पण किया जाता है ताकि वे आत्माएं प्रसन्न रहे व उन्हें शांति मिले। श्राद्ध भाद्रपद की पूर्णिमा से शुरू होकर अश्विनी के कृष्ण पक्ष में अमावस्या तक कुल 15 दिन की अवधि 'पितृ पक्ष' कहलाती है। इसी अवधि में पितरों के प्रति श्रद्धा के प्रतीक श्राद्धों का आयोजन घर-घर में होता है। श्राद्धों को लेकर एक पौराणिक घटना महाभारत काल से भी जुड़ी मानी गयी है जिसमें कहा गया है कि कर्ण प्रतिदिन स्वर्ण दान किया करते थे। उन्हें मरणोपरांत स्वर्ग में रहने हेतु 'स्वर्ण महल' मिला जहां प्रत्येक वस्तु सोने की थी। कर्ण इससे परेशान हो उठे। जब इसका कारण भगवान से पूछा तो पता चला कि वह प्रतिदिन सवा मन सोना दान करते थे, अन्य वस्तुओं का नहीं। यह जानकर कर्ण को बड़ा संताप हुआ व वे ईश्वर से विनती कर पंद्रह दिन के लिए पृथ्वीलोक में पुनः आए और सभी वस्तुओं का दान किया और मनुष्यों को भोजन करवाया। कहा जाता है कि इस कथा की स्मृति में ही पितरों के प्रति श्राद्ध मनाए जाने लगे।

श्राद्ध के साथ मुख्य रूप से जुड़ी व्यक्ति की श्रद्धा और भावना ही है। इसलिए आज के दिन परिवार के व्यक्तियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार से दूर रहकर पुनीत कार्य करेंगे। श्राद्ध कर्म में खर्च किए जाने वाला धन भी ईमानदारी से कमाई किया हुआ ही होना चाहिए। अपने पितरों को पवित्र मन से तर्पण करने हेतु वर्ष में दो दिन शुभ मान गए हैं। प्रथम मृत्यु तिथि पर व दूसरे श्राद्ध के अवसरों पर उसी तिथि पर जिस दिन वह देवलोक को गया है। प्राचीन ग्रंथों में वर्णित है कि श्राद्ध के दिनों में अपने सभी भूले-बिसरों के लिए अमावस्या का दिन सर्वाधिक अनुकूल है चूंकि इस दिन पितर हमारे काफी नजदीक होते हैं। यदि किसी बाधावश सही दिनों में श्राद्ध न किया जा सके तो एकादशी के रोज भी पितरों का श्राद्ध किया जा सकता है जिसका पुण्य उन्हें प्राप्त होता है। परिवार में तीन पीढ़ियों तक का श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध करने का कर्तव्य पुत्र या निकट परिजन का होता है। श्राद्ध करते समय यह जरूरी है कि अपने पितरों का नाम लेकर ही श्रद्धांजलि दी जाए। साथ ही पवित्र जल हाथ में लेकर जौ, चावल तथा चंदन डालकर आह्वन हेतु कलश स्थापित कर तिल की ढेरी लगाकर उस पर दीपक जलाएं व आस-पास पुष्प रखें। दीपक आटे के ही बनाएं व उनमें शुद्ध घी ही काम में लें। सभी परिजन हाथ में अक्षत लेकर मृतात्मा का आह्वान करें व दीपक की लौ के सामने देखें व बची में (विश्वे देवास मंत्र बोलें, फिर अक्षत छोड़ दें) पितृभ्यो नमः आवाह यामि स्थापायामि का उच्चारण करें। इन मंत्रों के उच्चारण से पितर खुश होते हैं व उन्हें शांति मिलती है। भारतीय दर्शन के मतानुसार मृत्यु के पश्चात मनुष्य का स्थूल शरीर तो यहीं रह जाता है व उसका सूक्ष्म शरीर यानी आत्मा अपने कर्मों के अनुसार फल भोगने हेतु परलोक सिधार जाती है। श्राद्ध करते समय पितरों के प्रति मौन रखने के अलावा उनकी स्मृति में जनमानस की सेवा हेतु कुछ भी पुनीत कार्य व निर्माण भी करवाया जा सकता है।

भारतीय परंपरा मनुष्य को मरणधर्मा नहीं मानती. जिसे मरना कहा जाता है, वह वस्तुतः नया जीवन पाना है। शरीर जीर्ण हो गया- छोड़ दिया। आत्मा ने नया शरीर वैसे ही पा लिया जैसे मनुष्य कपड़े बदलता है। अच्छी संतान अपने पूर्वजों के अधूरे कार्यों को पूरा करती है। श्रद्धांजलि अर्पित करने का यह सबसे अच्छा उपाय कहा जाएगा। पुराणों में अपने पुरखों की पुण्यतिथि पर उनको जलांजलि देने का विधान है। साथ ही यह घोषित किया गया है कि पूर्वजों के शुभ कार्यों का स्मरण करके उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लेने से बड़ा पुण्य मिलता है। राम ने अपने पूर्वजों को उनके कार्यों के माध्यम से ही स्मरण किया है। पुरखों के पथ पर चलना कुलव्रत का अनुसरण करना कहा जाता है। कुलव्रत का अनुसरण करना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। जब कुलाचार उच्छिंद हो जाते हैं तो वर्णसंकरता आ जाती है।

पूर्वजों की स्मृति में आम, जामुन के फलदार वृक्ष लगाए जाते हैं। कुआं-बावड़ी खुदवाई जाते हैं। विद्या प्रसार के लिए विद्यालय- महाविद्यालय स्थापित किए जाते हैं। यज्ञ करवाए जाते हैं। द्रव्य-यज्ञ तो संपन्न लोग ही करवा सकते हैं पर भागवत का पाठ, गायत्री मंत्र का जाप आदि हर कोई कर सकता है। इसी प्रकार के शुभ कार्यों में बलिवैश्वदेव और भूखों को भोजन कराना भी आ जाता है। शरीर नष्ट हो जाने पर भी दिवंगत आत्माएं कहीं न कहीं विद्यमान रहती हैं। वहां से अपनी संतान को शुभ कार्यों में निरत देखकर आशीर्वाद देती हैं। पितरों के आशीर्वाद फलते हैं।

प्राचीन ब्राह्मणवादि ग्रंथों में देवयान और पितृयाण दो मार्गों का वर्णन मिलता है। पितरों का मार्ग दक्षिणायन मार्ग कहलाता है। इस मार्ग पर चलने वाले विविध कर्मक्षेत्रों में दक्षता प्राप्त करते हैं। दक्षतापूर्वक कार्य करने को वासुदेव कृष्ण ने योग कहा है- योगः कर्मसु कौशलम्। कुशलतापूर्वक वेदविहित कार्य करने से पितृलोक की प्राप्ति होती है। योग का मार्ग भारतीय जीवन पद्धति की मौलिक विशेषता है जिससे प्रत्येक कर्म सर्वश्रेष्ठ बन जाता है और उस पर अपनी सुविधानुसार चलकर मनुष्य सर्वश्रेष्ठ बनता है। पितृपक्ष में अपने पूर्वजों की अच्छी बातों को जितना स्मरण किया जाएगा, उतना ही उनको अपनाने की रूचि जागेगी।

पितृपक्ष के तत्काल बाद शक्ति-साधना के लिए नवरात्र का काल आता है। शक्ति-साधना का फल विजय होता है- कर्मसिद्धि होता है। विजय-दशमी का आगमन इस विकासमय परंपरा का सूचक है। कहा गया है- जैसी श्रद्धा वैसा व्यक्तित्व यो यच्छद स एव सः। गुरू परंपरा के अनुसार शास्त्राभ्यास और ज्ञानार्जन मनुष्य में दिव्यता का विकास करने वाली विधि है जबकि श्रेष्ठ कर्म करके दक्षिणायन मार्ग को अपनाना जीवन सिद्धि के द्वार खोलने वाली यज्ञ-योगमयी पद्धति है। श्राद्ध पक्ष में श्रद्धापूर्वक पितरों का स्मरण करते हुए श्रेष्ठ जीवन का अभ्यास करना कोरा कर्मकांड नहीं वर्तमान युग की आवश्यकता भी है।

जनता को राहत देगा जीएसटी सुधार

(गौरव वल्लभ)

जीएसटी सुधार की नई पहल देश की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में एक प्रभावशाली बदलाव है। इसमें दर-संरचना को नए सिरे से व्यवस्थित करके उसे दो श्रेणी में बांटा गया है और दर कम रखे गए हैं, जिससे घरेलू मांग बढ़ेगी और देश तरक्की करेगा। यह आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने, अमेरिकी टैरिफ के दुष्प्रभाव को कुंद करने और तमाम क्षेत्रों में व्यापार को सुगम बनाने के लिए उठाया गया एक रणनीतिक कदम है। एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, इससे चालू वित्त वर्ष में खपत में 1.98 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो सकेगी, जिससे परिवार, बाजार और पूरी अर्थव्यवस्था के लिए यह सुधार 'गेमचेंजर' साबित होगा।

बीते 3 सितंबर को जीएसटी परिषद ने न सिर्फ चार दरों के जटिल कर-ढांचे की इस व्यवस्था को दो सरल दरों (5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत) में श्रेणीबद्ध किया, बल्कि विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर 40 फीसदी की दर को मंजूरी दे दी। रोजमर्रा की जरूरत की चीजों और बुनियादी जरूरी संसाधनों को अब निचली दो कर श्रेणी में रखा किया गया है, जिससे लाखों लोगों को फायदा मिलेगा। ये तमाम बदलाव आगामी 22 सितंबर से त्योहारों के मौसम के साथ लागू होंगे।

नई दरों के मुताबिक, बाल में लगाए जाने वाले तेल, साबुन, मक्खन, घी, नमकीन, चॉकलेट, कॉफी जैसी रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीजों पर अब सिर्फ पांच फीसदी जीएसटी लगेगा, जो पहले की दरों (12 से 18 फीसदी) से काफी कम है। अब न सिर्फ जीवन रक्षक दवाओं (33 प्रमुख दवाओं) को कर से बाहर कर दिया गया है, बल्कि दूध, पनीर, खाखरा (चपाती) जैसे खाद्य पदार्थों पर भी जीएसटी शून्य कर दिया गया है, जिसका मतलब है कि हर परिवार के पास ज्यादा खर्च करने लायक आमदनी बचेगी और वे अन्य वस्तुओं व सेवाओं पर अधिक खर्च कर सकेंगे। सीमेंट (इसमें जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया गया है) और गाड़ियों के कल-पुर्जे जैसे क्षेत्रों में लागत अब घटेगी, जिससे निर्माण, गाड़ियों की मांग और लघु व मध्यम उद्योगों के कामकाज में इजाफा होगा।

इन सुधारों से जुड़े प्रमुख अनुमानों के मुताबिक, 0.7 की एमपीसी (उपभोग-प्रवृत्ति) के साथ, प्रत्यक्ष उपभोग में प्रारंभिक वृद्धि 70,000 करोड़ रुपये की होगी, जबकि इससे 85,000 करोड़ रुपये का राजस्व-नुकसान होगा। जैसे-जैसे नए खर्च अर्थव्यवस्था में शामिल होंगे, मांग में 1.98 करोड़ रुपये तक की वृद्धि हो सकेगी। आयकर के हालिया बदलावों को भी यदि इसमें जोड़ दें, तो करीब 5.31 लाख करोड़ रुपये की खपत बढ़ने की उम्मीद है, जो चालू वित्त वर्ष में जीडीपी का करीब 1.6 प्रतिशत हिस्सा होगा। इन दो सुधारों के बाद जीडीपी में 100 से 120 आधार अंकों में वृद्धि की उम्मीद है, जिससे चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में सात प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

एफएमसीजी, ऑटो, सीमेंट, रिटेल और स्वास्थ्य सेवा जैसे तमाम क्षेत्रों में अब तेजी आएगी। सरल अनुपालन, इनपुट क्रेडिट में सुधार और कम कागजी कार्रवाइयों से सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों के विस्तार में मदद मिलेगी, नकदी प्रवाह में सुधार होगा और रोजगार सृजन में सहायता मिलेगी। जीएसटी 2.0 सुधारों से कर अनुपालन आसान होगा और कर गणना व उसकी फाइलिंग की जटिलताएं कम होंगी। इससे कारोबारियों को लाभ मिलेगा। इस कटौती से दिन-प्रतिदिन के कामों के लिए जरूरी पूंजी का बोझ कम होगा और 'प्रोविजनल रिफंड' व स्वतः पंजीकरण जैसी सुविधाओं के कारण तरलता बढ़ेगी, जिससे जल्द पैसे पाए जा सकेंगे। दरों में कटौती के अलावा, इन सुधारों द्वारा स्वतः ऑनलाइन पंजीकरण, त्वरित रिफंड और उल्टे शुल्क ढांचे (आउटपुट की तुलना में इनपुट पर अधिक कर) से जुड़े मसलों के समाधान जैसे ढांचागत सुधार किए गए हैं, जिससे कपड़ा, उर्वरक और अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को विशेष रूप से फायदा मिलेगा।

इन बदलावों से वर्गीकरण संबंधी विवादों का भी निपटारा होगा और आत्मनिर्भर भारत के नजरिये के अनुरूप एक अधिक प्रतिस्पर्द्धी, बेहतर व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो सकेगा, जिससे अंततः व्यापार में सुगमता बढ़ेगी, उपभोक्ता मांग में वृद्धि होगी और त्योहारी व सालाना खरीदारी में भी इजाफा होगा। इन तमाम उपायों से नकदी के प्रवाह में सुधार होगा, अनुपालन संबंधी चुनौतियां कम होंगी और जीएसटी के तहत आर्थिक विकास व व्यावसायिक क्षमता के लिए अधिक अनुकूल माहौल बन सकेगा।

यह जीएसटी सुधार रोजमर्रा की जिंदगी में बड़ी राहत लेकर आया है। बर्तन, दूध की बोतलें, दुग्ध उत्पाद, सिलाई मशीन व उसके पुर्जों जैसी जरूरी वस्तुओं पर जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत किया गया है, जिससे परिवारों को किराने के मासिक खर्च में 10 से 15 प्रतिशत की बचत हो सकेगी। मुख्य भोजन और पदार्थ जैसे दूध व पनीर पर अब जीएसटी नहीं लगेगा, जिससे पोषण सुरक्षा में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य सेवाओं को भी लाभ मिला है और 33 से अधिक जीवनरक्षक दवाएं अब जीएसटी-मुक्त कर दी गई हैं। इतना ही नहीं, स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसी, थर्मामीटर और ग्लूकोमीटर पर कर घटाए गए हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवा सुलभ व सस्ती हो जाएगी। कॉपी, पेंसिल, रबड़ और क्रेयॉन पर जीएसटी छूट से शिक्षा क्षेत्र को राहत मिली है और इससे छात्रों व परिवारों का खर्च कम हो सकेगा।

कृषि उपकरणों व मशीनरी पर दरों में कमी (12 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी) करके किसानों को भी लाभ दिया गया है, जिससे ग्रामीण आय बढ़ सकेगी। छोटी कारों (1200 सीसी पेट्रोल व 1500 सीसी डीजल गाड़ियों तक) और मोटरसाइकिलों (350 सीसी तक) पर लगने वाले जीएसटी को 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करने से ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मांग बढ़ सकेगी। उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भी लाभ मिला है, क्योंकि एसी, टीवी और रेफ्रिजरेटर पर अब 28 के बजाय 18 फीसदी जीएसटी लगेगा। इससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहने का आदेश स्वागतयोग्य

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफ इसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है।

(ललित गर्ग)

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है।

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफ इसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पूरा प्रकरण आखिरकार कैसा मोड़ लेगा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर किस तरह का असर डालेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि बिहार के मतदाता 1 सितंबर के बाद भी दावा या आपत्ति कर सकेंगे। यह निर्देश बहुत जरूरी है, क्योंकि अभी भी राजनीतिक दलों की शिकायतें दूर नहीं हुई हैं। ज्यादातर आम लोगों की शिकायतों का निवारण कर दिया गया है, पर कुछ राजनीतिक पार्टियों के लिए एसआईआर की खामी एक बड़ा मुद्दा है। महागठबंधन में शामिल दल इस मुद्दे में विवाद खड़े करने में ही अपने चुनावी हित देख रहे हैं। हालांकि, न्यायालय ने उचित ही बताया है कि मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर असमंजस की स्थिति काफी हद तक 'विश्वास का मामला' है। इसका मतलब, जो राजनीतिक अविश्वास है, उसे दूर करने के लिए स्वयं दलों को सक्रिय होना पड़ेगा। न्यायालय की इस सलाह पर राजनीतिक दलों को गौर करना चाहिए और इस प्रक्रिया को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि चुनाव सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर सभी राजनीतिक दल यह ठान लें, तो चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सकता है। वास्तव में, मतदाता पुनरीक्षण का काम राजनीतिक दलों को अपने स्तर पर लगातार जारी रखना चाहिए, इससे लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित होगी एवं चुनाव की खामियों को सुधारा जा सकेगा।

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है विपक्षी नेताओं द्वारा कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए चुनाव आयोग को आरोपों के दायरे में शामिल रखा जाना। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी नेता चुनाव आयोग और सरकार को घेरते हुए यह मुद्दा बार-बार उठाते रहेंगे। विपक्षी दल इस विषय में जिस तरह की नकारात्मकता दर्शा रहे हैं, वह भी प्रश्नों के घेरों में एवं अतिश्योक्तिपूर्ण है। क्योंकि यह अत्यंत सामयिक और संवेदनशील है। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया, एक ओर मतदाता सूची को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालना और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना, लोकतंत्र की सेहत और स्थायित्व को धुंधलाता है।

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई का जहां तक सवाल है तो वहां भी विपक्षी दल और चुनाव आयोग एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाते नजर आए। जहां विपक्षी दलों के वकील इस प्रक्रिया की खामियों की ओर कोर्ट का ध्यान दिलाते रहे, वहीं चुनाव आयोग के वकील ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या इस प्रक्रिया में नहीं, बल्कि उस मानसिक सोच में है, जो आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। उनके मुताबिक दूसरे पक्ष की मानसिकता ही खोट निकालने की हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को यथासंभव उपयुक्त ढंग से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यह देखना बाकी है कि चुनाव आयोग इस प्रक्रिया में सभी पक्षों का विश्वास जीतने और सभी योग्य मतदाताओं की आशंकाएं दूर करने में किस हद तक कामयाब हो पाता है।

निश्चित ही पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अभी तक के अनुभव मिले-जुले रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि राजनीतिक दल सूची में मतदाताओं को शामिल करने के दावों के बजाय उन्हें हटाने की मांग करते हुए आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। अगर चुनाव आयोग ने ज्यादा नाम काटे होते, तो नाम जोड़ने के लिए ज्यादा दावे होते। कांग्रेस को शायद अभी भी शिकायत है कि उसके एजेंटों के दावे पर गौर नहीं किया गया है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कहा है कि दावे यथोचित प्रारूप में नहीं किए गए हैं। ऐसे में, चुनाव आयोग को कुछ उदारता बरतते हुए अपनी सूची का हकीकत से मिलान करना चाहिए। बिहार में ही बड़ी पार्टियों के तमाम बूथ लेबल एजेंट (बीएलए) सक्रिय हो जाएं, तो मतदाता सूची को दोषरहित बना सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की भी यही मंशा है। मतदाता सूची को लेकर विवादों में पड़े रहना हर प्रकार से अफसोसजनक होगा, इससे हमारे लोकतंत्र की गरिमा घटेगी। गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत के निर्देश पर सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और पैरा लीगल स्वयंसेवकों को पुनरीक्षण में लगाया जाएगा। वास्तव में, पुनरीक्षण जल्दी संपन्न होना चाहिए, ताकि बिहार चुनाव में देरी न होने पाए। चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है। इसका दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, डुप्लीकेट नाम, मृत व्यक्तियों के नाम, या फर्जी पंजीकरण जैसी समस्याएं अक्सर चुनावी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाती रही हैं। ऐसे में एसआईआर जैसी प्रक्रिया को चुनाव आयोग द्वारा लागू करना आवश्यक कदम माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले पर्याप्त राजनीतिक परामर्श, जनजागरूकता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई थी? यदि ऐसा नहीं हुआ, तो राजनीतिक दलों का असंतोष स्वाभाविक है। इसमें कोई शक नहीं कि पुनरीक्षण के मामले ने बिहार की राजनीति को गरमा दिया है। बिहार आज निर्णायक मोड़ पर है। विशेष रूप से जन सुराज पार्टी के जो तेवर हैं, उससे बिहारी राजनीति के पूरे कलेवर पर असर पड़ सकता है। बिहार का विकासोन्मुख होना जरूरी है। इस जरूरत को बिहार में नया और पुराना विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष भी नए सिरे से समझ रहा है। लोगों के लिए तो यही सबसे अच्छी बात होगी कि सभी राजनीतिक दल अपने मुद्दों में विकास और रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा को सबसे ज्यादा तरजीह दें। अब बड़ा प्रश्न है कि यदि सुप्रीम कोर्ट आयोग के पक्ष में निर्णय देती है, तो विपक्ष को अपने आंदोलन का औचित्य सिद्ध करना कठिन होगा। वहीं यदि अदालत को प्रक्रिया में खामियां मिलती हैं, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठेंगे। विपक्ष की ओर से इसे सीधे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना भी अतिशयोक्ति कहा जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची को शुद्ध करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है। यदि ऐसे हर संवैधानिक कदम को राजनीतिक रंग देकर विवादित बना दिया जाए, तो लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती के बजाय कमजोरी ही बढ़ेगी। एसआईआर जैसी पहल की केवल बिहार ही नहीं, समूचे देश में जरूरत है ताकि चुनाव प्रक्रिया भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों से मुक्त हो सके। लेकिन इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब यह निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसम्मत तरीके से लागू हो। चुनाव आयोग को न केवल अपने कदमों की संवैधानिकता, बल्कि उसकी जनस्वीकार्यता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। विपक्ष को भी इस प्रक्रिया को मात्र राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय रचनात्मक संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदाताओं की भागीदारी से नहीं, बल्कि संस्थाओं पर विश्वास से भी जीवित रहता है।

नस्लों का संरक्षण, संवर्धन एवं उन्नयन होगा

65 एकड़ में बनेगा आधुनिक ब्रीडिंग सेंटर

दूध का बंपर उत्पादन का लक्ष्य...देशी गायों की नस्ल पर होगी रिसर्च

भोपाल। मप्र में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए कई नवाचार किए जा रहे हैं। जिससे दूध के उत्पादन को बढ़ाने के साथ किसानों की कमाई भी बढ़ाई जा सके। अब इस दिशा में नेशनल डेरी डेवलपमेंट बोर्ड की पहल पर अत्याधुनिक ब्रीडिंग और आईवीएफ सेंटर बनाने की शुरूआत की जा रही है। इसके लिए पशुपालन विभाग की कोकता ट्रांसपोर्ट नगर में स्थित 65 एकड़ जमीन चिंहित की गई है। जिसका जिला प्रशसन द्वारा सीमांकन कराया जा रहा है। यह काम पूरा होते ही नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड अत्याधुनिक ब्रीडिंग और आईवीएफ सेंटर बनाने का काम शुरू करेगा। इस अत्याधुनिक ब्रीडिंग सेंटर में देशी नस्ल की गायों को प्राथमिकता दी जाएगी। देशी गायों में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गिर, साहीवाल, गंगातीरी और हरियाणवी नस्ल की गायों को प्राथमिका दी जाएगी। इनके पालन के लिए भी किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही ब्रीडिंग सेंटर से उच्च नस्ल की गाय खरीदने पर सरकार किसानों को सब्सिडी भी देगी। कृत्रिम गभार्धान के माध्यम से सेक्सड सॉर्टेड सीमन पर बल दिया जाएगा। वहीं गायों की प्रजनन शक्ति बढ़ाने के लिए आईवीएफ तकनीकी का इस्तेमाल भी किया जाएगा। सीमन सेंटर और आईवीएफ लैब की होगी स्थापना पशुपालन विभाग के संचालक पीआर पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय कामधेनु मिशन के तहत भोपाल में अत्याधुनिक प्रजनन केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके लिए 65 एकड़ जमीन पशुपालन विभाग नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड को दे रहा है। यहां देशी नस्लों का उच्च अनुवांशिकता का प्रमाणित जर्मप्लाज्म उपलब्ध रहेगा। नस्लों का संरक्षण, संवर्धन एवं उन्नयन होगा। प्रदेश के पशुपालकों और पशुपालन संस्थाओं को देशी नस्लों के उच्च अनुवांशिक सांडों का सीमन, भ्रूण, हीफर आदि उपलब्ध करवाने के लिये केन्द्र में सीमन सेंटर और आईवीएफ लैब भी स्थापित की जाएगी।

देशी नस्ल की गायों को दी जाएगी प्राथमिकता

बता दें कि, अब गाय पालन का काम केवल दूध उत्पादन तक सीमित नहीं है, यह एक मजबूत आर्थिक विकल्प है जो किसानों को आत्मनिर्भर बनाता है, उनकी आय में बढ़ोत्तरी करता है। शहरों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराता है। ऐसे में गोपालन में होने वाले खर्च को कम करने और दूध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए देशी नस्ल की गायों को संरक्षण व संवर्धन किया जाएगा।

किसानों को लोन और 3 प्रतिशत छूट पर मिलेगी बछिया

पीआर पटेल ने बताया कि, राष्ट्रीय कामधेनु मिशन के तहत नेशनल डयरी डेवलपमेंट बोर्ड से बछिया पालन के लिए भी अनुदान दिया जाएगा। इसमें किसानों को बछिया पालन करने पर 35 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। वहीं यदि किसान आईवीएफ तकनीकी से पैदा होने वाली बछिया खरीदता है, तो उसे बैंक से लोन की व्यवस्था करने के साथ 3 प्रतिशत सब्सिडी भी जाएगी। इसके साथ ही पशुपालकों को मध्यप्रदेश में भी कई योजना का लाभ दिया जा रहा है।

मप्र की गोशालाओं में 4 लाख से अधिक पशुधन

बता दें कि, प्रदेश में स्वाबलंबी गो-शालाओं की स्थापना नीति पर तेज गति से कार्य किया जा रहा है। योजना में 5000 एवं अधिक गोवंश के पालन पर शासन की ओर से 130 एकड़ तक भूमि आवंटित किए जाने का प्रावधान है। वर्तमान में प्रदेश में गो संवर्धन बोर्ड के अंतर्गत 2942 गौशालाएं पंजीकृत है, जिसमें 2828 गो-शालाएं संचालित हैं। इन गो-शालाओं में 04 लाख 22 हजार गो-वंश का पालन पोषण किया जा रहा है।

स्नान-दान पूर्णिमा के साथ शुरू हुआ पितृपक्ष

तालाबों पर श्रद्धालुओं ने किया पितृ तर्पण

भोपाल। स्नान दान पूर्णिमा के साथ रविवार से पितृपक्ष की शुरूआत हो गई है। ऐसे में लोग अपने पितरों को तर्पण देने के लिए नदी जलाशयों के घाटों पर पहुंचे। राजधानी के तालाब पर सुबह से ही लोग अपने पितरों को तर्पण के लिए पहुंचे जहां ब्राह्मणों द्वारा पितृ तर्पण कराया गया। यह सिलसिला 16 दिन पितृ मोक्ष अमावस्या के तक चलेगा। इस दौरान तिथि अनुसार पितृ श्राद्ध भी किया जाएगा। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार श्राद्ध पक्ष पवित्रता और विधि विधान से करने पर ही पितृ प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। श्राद्ध पक्ष में कुछ धातु का इस्तेमाल वर्जित बताया गया है जिससे पितृ नाराज हो जाते हैं। पितृ तर्पण कराने वाले पंडित अशोक शास्त्री द्वारा बताया गया इस श्राद्ध पक्ष में 16 दिन तक तालाब नदी में आकर अपने पितरों को पानी दिया जाता है। ब्राह्मण को भोजन करते हैं। कौवा, कुत्ता और गाय को पितरों के मनपसंद भोजन बनाकर दिया जाता है। अगले 15 दिनों तक चलेगा पितृपक्ष अगले 15 दिनों तक यह क्रियाएं चलेंगी। पितृ मोक्ष अमावस्या पर श्राद्ध पक्ष का समापन होगा। इस दौरान लोग अपने पूर्वजों की सुख-शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पितृजन को किया नमन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पितृ पक्ष के अवसर पर सभी पितृजन को सादर नमन किया। उन्होंने कहा कि सभी को अपने पितृजन का आशीष प्राप्त हो यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों के लिए जारी संदेश में कहा कि हमारे पूर्वजों ने तपस्या, त्याग और परिश्रम से सेवा और धर्म का जो मार्ग प्रशस्त किया है, वही आज हमारे जीवन का आधार है। हमारा संकल्प हो कि हम सभी अपने पितरों के आदर्शों का अनुसरण करते हुए मानव जीवन को पूर्णता प्रदान करें।

अब मेडिकल कॉलेजों में नॉन क्लीनिकल रेजिडेंट डॉक्टर भी होंगे

भोपाल। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों में अभी तक क्लीनिकल विषय जैसे मेडिसिन, सर्जरी, हड्डी रोग, गायनी आदि में ही सीनियर रेजिडेंट (एसआर) डॉक्टर पदस्थ किए जाते थे, लेकिन अब नान क्लीनिकल विषयों के डाक्टरों को भी सीनियर रेजिडेंट पदस्थ किया जाएगा। इसमें एनाटामी, फिजियोलाजी, बायोकेमेस्ट्री, फामोकोलाजी जैसे विषय शामिल हैं। इसका लाभ रोगी और डॉक्टर दोनों को होगा। प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीनियर रेजिडेंट के 380 पद स्वीकृत करने के लिए शीघ्र ही कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा। अस्पतालों में ओपीडी, इमरजेंसी ड्यूटी सहित अन्य स्थानों पर नान क्लीनिकल सीनियर रेजिडेंट्स का उपयोग किया जा सकेगा। बता दें कि नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमएसी) ने नान क्लीनिकल विषयों में सीनियर रेजीडेंट्स बनाने के लिए कहा है। इनका संख्या निर्धारित सीटों में फैकल्टी के कुल पदों के निश्चित अनुपात में रहेगी। इस आधार पर प्रदेश में 380 पद होंगे, जिन्हें 19 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पदस्थ किया जाएगा। अभी निजी मेडिकल कॉलेज तो नान क्लीनिकल विषय में एसआर रख रहे हैं, पर सरकारी में नहीं हैं। नई व्यवस्था से नॉन क्लीनिकल विषयों में मेडिकल कॉलेजों के लिए फैकल्टी मिलना भी आसान हो जाएगा।

हलाली डैम के पानी से भोपाल के खेत डूबे

16 गांव की 1000 एकड़ जमीन प्रभावित; पानी में उतरे किसान

भोपाल। विदिशा जिले के सम्राट अशोक सागर परियोजना हलाली डैम के पानी से भोपाल जिले की फसलें 2 से 3 फीट तक डूब गई। 16 से अधिक गांवों में असर है। इसके चलते किसान अब पानी में उतरकर आंदोलन करने लगे हैं। उनकी मांग है कि सरकार मुआवजा दें। इनके साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट भी पानी में उतरे और किसानों को मुआवजे का भरोसा दिलाया। डैम का निर्माण कार्य 1976-77 में हुआ था। जिसमें पानी की निकासी 1508 फीट पर बने बेस्ट बियर से होती थी, लेकिन पिछले 2 साल से पानी निकासी के गेट लगाकर जल निकास को 1508 फीट से ऊपर नहीं जान देने के लिए गेट का निर्माण किया, लेकिन अभी डैम का जलस्तर 1510 फीट तक पहुंच गया है। जिसमें 2 फीट जलस्तर अधिक होने से भोपाल जिले के 16 गांव प्रभावित हो रहे हैं। यहां के सैकड़ों किसानों की हजारों एकड़ जमीन में खड़ी फसल नष्ट हो गई है। इनमें मुख्य रूप से धान और सोयाबीन है। पांच से छह दिन हुए जिपं उपाध्यक्ष जाट ने बताया कि डैम का पानी खेतों में भरे पांच से छह दिन हो गए हैं। गेट खुलने से पानी जरूर निकल रहा है, लेकिन खेतों में काफी पानी भरा है। किसानों के लिए यह एक जटिल समस्या हो गई है। इसलिए सरकारी स्तर पर किसानों के हित में एक अच्छा निर्णय होना चाहिए।

20 सितंबर तक चलेगी पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन

भोपाल। श्राद्धपक्ष में गया जाने वाले यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन में कोचों की संख्या बढ़ा दी है। अब रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन में दो अतिरिक्त कोच (एक एसी 3 टियर और एक स्लीपर) जोड़े गए हैं। इसके साथ ही इस ट्रेन की कुल कोच संरचना बढकर 24 हो गई है। यात्रियों को यह सुविधा 7 से 20 सितंबर 2025 तक उपलब्ध होगी। भोपाल मंडल के सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले गाडियों की समय-सारिणी एवं ठहराव की जानकारी के लिए अधिकृत स्त्रोतों जैसे रेल मदद 139 या एनटीईएस ऐप का उपयोग करें। टस्पेशल ट्रेन का शेड्यूल 01661 रानी कमलापति-गया पितृपक्ष स्पेशल 12 और 17 सितंबर को रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 1:20 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 9:30 बजे गया पहुंचेगी। 01662 गया-रानी कमलापति पितृपक्ष स्पेशलः10, 15 और 20 सितंबर गया से दोपहर 2:15 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 10:45 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। इन स्टेशनों पर होगा ठहराव भोपाल, विदिशा, गंजबासौदा, बीना, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिजार्पुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, देहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड।

मूंग की नीलामी से सरकार को लगेगी अरबों की चपत

गोदामों में रखी है 27 लाख क्विंटल मूंग

खरीफ सीजन में देश का 46 प्रतिशत मूंग अकेले राजस्थान में होता है। इस समय थोक में मूंग के भाव 7000 रुपए प्रति क्विंटल चल रहे हैं।

भोपाल। सरकार हर साल समर्थन मूल्य पर किसानों से अनाज तो खरीद लेती है, लेकिन वह गोदामों में रखे-रखे खराब होती रहती है। वर्तमान में सरकार की चिंता गोदामों में रखी 27 लाख क्विंटल मूंग बढ़ा रही है। बताया जाता है कि इस मूंग को बेचने की तैयारी हो रही है, लेकिन खरीद से भी कम दर मिल रही है। अगर सरकार इस मूंग को कम दर पर बेचती है तो अरबों रूपए की चपत लगेगी। जानकारी के अनुसार, दो साल से नाफेड, एनसीसीएफ और मार्कफेड के गोदामों में रखी है। सरकार गोदाम में रखी 27 लाख क्विंटल मूंग बेचने की तैसारी कर रही है। यह मूंग मप्र सरकार को डेढ़ हजार करोड़ रुपए का झटका देने वाली है। इस मूंग को 2022-23 के रबी सीजन के ग्रीष्मकालीन में और 2024 के ग्रीष्मकालीन सीजन में खरीदा गया है। नीलामी के दौरान खुले बाजार से ऐसा रेट आया है, जो घाटे वाला है। अब उच्च स्तर पर गुरुवार को मंत्रालय में में मुख्य सचिव डॉ. अनुराग जैन की अध्यक्षता में मीटिंग रखी गई है। इसमें यह तय होगा कि नुकसान के साथ नीलामी को मंजूरी दी जाए या नहीं।

हर माह लग रहा करीब 16 करोड़ ब्याज

जानकारी के अनुसार इस मूंग को सरकार की गारंटी पर बैंकों से कर्ज लेकर खरीदा गया है, जिसका हर माह 15 करोड़ 92 लाख रुपए ब्याज लग रहा है। जानकारों का कहना है कि जितना मूंग से नुकसान हो रहा है, यदि इस पैसे से सिर्फ गेहूं ही खरीदा जाता तो करीब दो साल तक पीडीएस में उसे लोगों को मुफ्त बांटा जा सकता था। उनका यह भी कहना है कि रबी सीजन को छोड़ दिया जाए तो ग्रीष्मकालीन मूंग के बारे में यह साफ है कि इसे दबाव में केंद्र सरकार द्वारा तय कोटे से ज्यादा खरीदा गया। अब यहीं मूंग सरप्लस है। वर्ष 2022-23 में 75 हजार 783 टन और वर्ष 2024 में 1 लाख 92 हजार 253 टन मूंग (कुल 27 लाख क्विंटल) गोदामों में रखी है। प्रति टन इस पर 97 हजार रुपए व्यय हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि गोदामों में रखे सरप्लस मूंग का नीलामी में ऑफर रेट 55 से 65 हजार के बीच आया है।

मप्र में 14 लाख टन के करीब मूंग का उत्पादन

रबी सीजन के ग्रीष्मकालीन में मप्र देश का सर्वाधिक मूंग पैदा करता है। यह 14 लाख टन के करीब है। बाकी राज्यों में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश भी मूंग का उत्पादन करते हैं। खरीफ सीजन में देश का 46 प्रतिशत मूंग अकेले राजस्थान में होता है। इस समय थोक में मूंग के भाव 7000 रुपए प्रति क्विंटल चल रहे हैं। इसी वजह से नीलामी में ऑफर इससे कम आया है। केंद्र सरकार के लक्ष्य से उपरोक्त दो वर्षों में 5.33 लाख टन मूंग की अधिक खरीदी हुई है। इसी को अब नीलाम करके पैसे की भरपाई होना है। हैरान करने वाला तथ्य है कि 27 लाख क्विंटल सरप्लस मूंग के रखरखाव पर हर माह 18 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। यहां बता दें कि भारत सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के तहत प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) में यह मूंग खरीदी गई।

मप्र में में बारिश से राहत, सिस्टम हुआ कमजोर

अगले चार दिन हल्की बारिश का जारी रहेगा दौर

भोपाल। मध्य प्रदेश में बारिश से थोड़ी राहत मिलेगी। प्रदेश में अगले चार दिन हल्की बारिश का दौर रहेगा। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में रिमझिम वर्षा होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, एमपी में शनिवार को बारिश का दो स्ट्रॉन्ग सिस्टम सक्रिय रहा। इनमें एक मानसून समेत दो टर्फ शामिल हैं। जिससे कई जिलों में बारिश का दौर रहा, लेकिन सिस्टम के कमजोर होने से आज रविवार को कहीं भी तेज बारिश का अलर्ट नहीं है। इस दौरान भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में रिमझिम पानी गिरेगा। इससे पहले एमपी के कई जिलों में नदी-नाले उफान पर रहे और डैम ओवरफ्लो हो गए। शनिवार को भोपाल के भदभदा, मंदसौर के गांधी सागर और रायसेन के हलाली डैम के गेट खोले गए हैं। वहीं इस सीजन मानसून की बात करें तो अब तक 40.6 इंच पानी गिर चुका हैं, जो सीजन का 111 प्रतिशत है। अब तक 32.8 इंच बारिश होनी थी। एमपी की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। पिछले मानसूनी सीजन में औसत 44 इंच पानी गिरा था।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए लगेगा कैंप

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने लोगों से राहत सामग्री देने की अपील की

विधायक आरिफ ने लोगों से तिरपाल, मच्छरदानी, चावल, दाल, अचार, जैम, बिस्किट, पेस्ट, ब्रश, बच्चों के लिए सूखा दूध, नहाने व कपड़े धोने का साबुन, मिर्च, धनिया, हल्दी, नमक, तेल देने की अपील की है।

भोपाल। राजधानी भोपाल के लोग पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए सामने आए है। पीड़ितों को राहत सामग्री देने के लिए भोपाल में कैंप लगाए जाएंगे। राहत सामग्री जमाकर कर पंजाब बाढ़ प्रभावित इलाकों में भेजा जाएगा। भोपाल के कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने लोगों से राहत सामग्री देने की अपील की है। उन्होंने बताया कि पंजाब में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री देने के लिए भोपाल में कैंप लगाए जाएंगे। शहर में 8, 9 और 10 सितंबर यानी तीन दिन पुराने शहर में कैम्प लगेगा। इन जगहों पर लगेगा कैंप राजधानी के कमला पार्क, बुधवारा, इतवारा, भारत टॉकीज, चिकलोद रोड, जे जे शादी हॉल, राजा जिंसी, नूर महल, काजी कैम्प, बाल विहार, मस्जिद साजिद सुल्तान, कर्बला में राहत कैंप लगाए जाएंगे। जहां 24 घंटे वॉलंटियर्स रहेंगे। राहत सामग्री जमाकर कर पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों में भेजा जाएगा। विधायक आरिफ ने लोगों से तिरपाल, मच्छरदानी, चावल, दाल, अचार, जैम, बिस्किट, पेस्ट, ब्रश, बच्चों के लिए सूखा दूध, नहाने व कपड़े धोने का साबुन, मिर्च, धनिया, हल्दी, नमक, तेल देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इन समानों को ज्यादा से ज्यादा दें। मसूद ने कहा कि इन सामानों को शुक्रवार को रवाना कर देंगे, ताकि शनिवार को जरूरतमंद लोगों तक पहुंच जाए। वहीं विधायक ने कहा कि एक बात का खास ख्याल रखना है कि नगद कैश नहीं देना है। हमारे नाम से भी कोई मांगे तो नहीं देना है। वहीं उन्होंने यह भी अपील की है इस कैंप के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जानकारी दें।

2027 में ही बदलेगी तहसील और जिलों की सीमाएं

जनगणना के बाद ही होगा सीमाओं का पुनर्गठन

बारिश के कारण कार्य प्रभावित

आधिकारिक जानकारी के अनुसार आयोग के सदस्य वर्तमान में जिलों का दौरा कर रहे हैं। बारिश के कारण दो महीने से यह कार्य प्रभावित हुआ है। आयोग सभी जिलों के प्रवास के दौरान जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों से मिले सुझावों के आधार पर प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के संबंध में रिपोर्ट तैयार करेगा। इस पूरी कवायद में आयोग को लंबा वक्त लगेगा। आयोग की अनुशंसा रिपोर्ट पर अंतिम निर्णय सरकार लेगी।

भोपाल। मप्र में संभाग, जिला, तहसील और विकासखंड की सीमाओं में परिवर्तन संभवतः मार्च 2027 के बाद ही होगा। इसकी वजह यह है कि तहसील और जिलों की सीमाएं जनगणना के बाद ही होगी। बता दें, प्रदेश सरकार ने मार्च, 2024 में प्रशासनिक इकाइयों की सीमा में परिवर्तन के लिए आयोग बनाने का निर्णय लिया था। लेकिन जिला-तहसीलों की सीमाओं के पुनर्गठन की चाल धीमी है। गौरतलब है कि जाति गणना के साथ ही भारत की 16वीं जनगणना 2027 में की जाएगी। जनगणना दो चरणों में होगी। जनगणना का सीधा असर मप्र में जिला, तहसील समेत अन्य प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं के पुनर्गठन पर पड़ेगा। मप्र में प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं के पुनर्गठन की प्रक्रिया जारी है। इसके लिए सरकार ने मप्र प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग का गठन किया है। चूंकि आयोग को प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के संबंध में अभी लंबी एक्सरसाइज करना बाकी है, इसलिए अब प्रदेश में मार्च, 2027 तक किसी भी सूरत में प्रशासनिक इकाइयों की सीमाएं नहीं बदली जा सकेंगी। सीमाओं में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा दरअसल, केंद्र सरकार ने सभी विभागों को 31 दिसंबर, 2025 से पहले नगर निगमों, राजस्व गांवों, तहसीलों, जिलों की सीमाओं में कोई भी प्रस्तावित बदलाव करने के निर्देश जारी किए हैं। जनगणना 2027 के लिए प्रशासनिक इकाइयों की सीमाएं 31 दिसंबर, 2025 को फ्रीज कर दी जाएंगी। राज्यों से यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि जनगणना के दौरान यानी 1 जनवरी, 2026 और 31 मार्च, 2027 के बीच प्रशासनिक यूनिट की सीमाओं में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। राज्यों को मौजूदा सीमाओं में किसी भी बदलाव की सूचना जनगणना निदेशालयों और भारत के महापंजीयक को 31 दिसंबर, 2025 तक देना होगी। मप्र सरकार ने प्रदेश में संभाग, जिला, तहसील समेत अन्य प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं के पुनर्गठन को लेकर मप्र प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग का गठन किया है। आयोग के गठन के संबंध में 12 मार्च, 2024 को अधिसूचना जारी हुई थी। आयोग को प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के संबंध में सरकार को अनुशंसा करना है, लेकिन आयोग ने अब तक ऐसी कोई रिपोर्ट राज्य शासन को नहीं सौंपी है।

1982 में भी बना था पुनर्गठन आयोग

मप्र में संभाग, जिलों, तहसीलों और जनपदों की सीमाओं के पुनर्गठन की प्रक्रिया 43 साल पहले भी की जा चुकी है। इसके लिए 1982 में प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग का गठन हुआ था। आयोग ने 1985 में अनुशंसा रिपोर्ट राज्य शासन को सौंपी थी। इस रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश में 1990 के दशक में नए जिलों का गठन हुआ था। संभाग, जिलों, तहसीलों, जनपदों की सीमा फिर से परिभाषित करने की प्रक्रिया मप्र भू-राजस्व संहिता- 1959 में उल्लेखित है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी नागरिक को गलत तरीके से बंधक बनाने वाले देशों पर कार्रवाई करेगी ट्रम्प सरकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को एक एक्सक्लूजिव ऑर्डर पर साइन किया है।इसके तहत अमेरिका के नागरिकों को गलत तरीके से बंधक बनाने वाले देशों पर कार्रवाई की जाएगी। इनमें चीन ईरान और अफगानिस्तान शामिल हैं। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नागरिकों को गलत तरीके से गिरफ्तार करने वाले देशों पर आर्थिक, वीजा और विदेशी सहायता से जुड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अमेरिकियों को इन देशों का पासपोर्ट भी नहीं दिया जाएगा। ?रुबियो ने कहा कि, ‘अमेरिकियों को सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल करने वाले देशों को भारी कीमत चुकानी होगी।’ इससे पहले 2022 में पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे नेशनल इमरजेंसी बता चुके हैं।

‘पीएम मोदी ने नोबेल पुरस्कार देने का समर्थन नहीं किया तो ट्रंप दिल पर ले गए’, अमेरिकी विशेषज्ञ का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक शीर्ष विद्वान ने भारत और अमेरिका के संबंधों में आई खटास की संभावित वजह का कारण बताते हुए कहा कि ट्रंप खुद को वैश्विक शांतिकार दिखाना चाहते हैं और इसी के चलते उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का श्रेय लेने की कोशिश की, लेकिन जब पीएम मोदी ने इससे इनकार किया तो ट्रंप इस बात को शायद निजी तौर पर ले गए। अमेरिकी शिक्षाविद् ने बताया, ट्रंप ने क्यों लगाया भारत पर टैरिफ न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में अमेरिकी शिक्षाविद् टेरिल जोंस ने कहा कि ‘ट्रंप प्रशासन में नीतियां तेजी से बदलती हैं और जल्द ही उन्हें लागू कर दिया जाता है। ट्रंप की रणनीति दो पक्षों में बातचीत के लिए पहले बड़ी-बड़ी शर्तें लगाना और फिर उन्हें बातचीत के लिए राजी करना है और अभी भी वे यही कर रहे हैं।’ जोंस ने कहा कि ‘ट्रंप ने उम्मीद की थी कि पीएम मोदी भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करें, लेकिन जब पीएम मोदी ने ऐसा नहीं किया तो ट्रंप इस बात को दिल पर ले गए और इसी के चलते ट्रंप ने भारत पर टैरिफ लगाया।

भारत द्वारा लगाए गए सबसे ऊंचे टैरिफ से अमेरिकी नौकरियां खत्म हो रही हैं : पीटर नवारो

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने एक बार फिर बेतुका बयान दिया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत द्वारा लगाए गए सबसे ऊंचे टैरिफ से अमेरिकी नौकरियां खत्म हो रही हैं। भारत रूसी तेल पूरी तरह से लाभ कमाने के लिए खरीदता है। इसी राजस्व से रूस अपने युद्ध की मशीन चला रहा है। यूक्रेन और रूस के लोग मारे जा रहे हैं। अमेरिकी करदाताओं को अधिक भुगतान करना पड़ता है। भारत सच/झूठ को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

श्रीलंका में 10 करोड़ के कुश संग भारतीय नागरिक गिरफ्तार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के कोलंबो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक भारतीय नागरिक को शुक्रवार को 10 करोड़ के 10.75 किग्राकुश (भांग की अत्यंत नशीली प्रजाति) के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार 43 वर्षीय व्यक्ति नई दिल्ली में जूते की दुकान में काम करता है। सीमा शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्होंने अवैध मादक पदार्थों की खेप का पता लगाने के लिए ग्रीन चैनल में स्थापित स्कैनिंग मशीनों का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने बताया कि उसने कुश की खेप बैंकॉक, थाईलैंड से खरीदी थी।

गूगल-एपल पर जुर्माने से भड़के ट्रंप, धारा 301 के तहत कार्यवाही की चेतावनी

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कर गूगल पर जुर्माने को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यूरोप ने आज एक और महान अमेरिकी कंपनी, गूगल पर 3.5 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है। वह पैसा छीन लिया गया है जो अमेरिकी निवेश और रोजगार के लिए जाता। यह कई अन्य जुर्मानों और करों के अलावा है जो गूगल और अन्य अमेरिकी टेक कंपनियों पर लगाए गए हैं। यह कार्रवाई बहुत ही अनुचित है। अमेरिकी करदाता इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे! जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, मेरा प्रशासन इन भेदभावपूर्ण कार्रवाइयों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उदाहरण के लिए, एपल को 17 अरब डॉलर का जुर्माना भरने के लिए मजबूर किया गया, जो मेरे विचार से, नहीं लगना चाहिए था। एपल को अपना पैसा वापस मिलना चाहिए! हम शानदार और अभूतपूर्व अमेरिकी प्रतिभा के साथ ऐसा नहीं होने दे सकते और अगर ऐसा हुआ, तो मुझे इन करदाता अमेरिकी कंपनियों पर लगाए जा रहे अनुचित जुर्मानों को रद्द करने के लिए धारा 301 के तहत कार्यवाही शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

पाकिस्तानी मूल की शबाना महमूद बनीं ब्रिटेन की गृह मंत्री, सोशल मीडिया पर मच गया बवाल?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने शुक्रवार को अपनी कैबिनेट में बड़े स्तर पर फेरबदल किया। यह कदम उन्होंने उप-प्रधानमंत्री एंजेला रेयनर के इस्तीफे के बाद उठाया, जिन्हें एक अपार्टमेंट की खरीद में स्टांप ड्यूटी कम चुकाने का दोषी पाया गया था। इस फेरबदल में पाकिस्तानी मूल की सांसद शबाना महमूद को देश का नया गृह मंत्री (होम सेक्रेटरी) नियुक्त किया गया है। शबाना महमूद ब्रिटेन की सबसे वरिष्ठ मुस्लिम महिला राजनेता हैं। उन्होंने इस पद पर यवेटे कूपर की जगह ली है। उनकी नियुक्ति ने सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा छेड़ दी है।

कौन हैं शबाना महमूद : 44 वर्षीय शबाना महमूद का जन्म बर्मिंघम, ब्रिटेन में हुआ था और उनके माता-पिता कश्मीरी मूल के हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ीं शबाना एक पूर्व बैरिस्टर हैं और 2010 से बर्मिंघम लेडीवुड से सांसद हैं। वह ब्रिटेन की सबसे वरिष्ठ मुस्लिम महिला राजनेता हैं और लेबर पार्टी में एक विश्वसनीय और कट्टर समर्थक मानी जाती हैं। उन्होंने पहले कई शैडो पोर्टफोलियो संभाले हैं, लेकिन पूर्व लेबर नेता जेरेमी कार्बाइन के नेतृत्व में वह उनकी टीम का हिस्सा नहीं बनी थीं।

अब गृह मंत्री के रूप में, उन्हें आव्रजन, छोटी नौकाओं से होने वाली अवैध सीमा पार, और शरणार्थी होटलों जैसे जटिल और संवेदनशील मुद्दों से निपटना होगा। उनकी नियुक्ति ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है। ङ्क पर कई यूजर्स ने इसे अल्पसंख्यक समुदायों के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव और एकीकरण का प्रतीक बताया। यूजर्स ने उनकी नियुक्ति पर चिंता जताई है, विशेष रूप से उनकी सख्त आव्रजन नीतियों की वकालत को लेकर। ब्रिटिश पत्रकार टॉमी रॉबिन्सन ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, शबाना महमूद, जिन्होंने कुरान पर संसदीय पद की शपथ ली थी, अब वह स्टारमर की नई गृह सचिव होंगी। अब वह आव्रजन और सीमाओं का प्रभार संभालेंगी। यहां वह कह रही हैं कि उनके लिए इस्लाम किसी भी चीज से ज्यादा महत्वपूर्ण है। लेबर पार्टी को हटाना होगा। एक अन्य यूजर क्रिस रोज ने लिखा, ब्रिटेन में अब एक ऐसी गृह सचिव है जिसने पहले इजरायल विरोधी प्रदर्शन में शामिल होकर भीड़तंत्र को बढ़ावा दिया था, जिसके कारण दुकानें बंद करनी पड़ी थीं। शबाना महमूद अयोग्य और खतरनाक हैं। एक यूजर ने लिखा, ये हैं ब्रिटेन की नई गृह सचिव, शबाना महमूद। इस्लाम, मेरा अपना धर्म, और बहुत से धार्मिक मुसलमानों की तरह, मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज है। यह मेरे हर काम का मूल आधार है। हम तो बर्बाद हो गए। मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव रेयनर की जगह विदेश मंत्री

डेविड लैमी को उप-प्रधानमंत्री बनाया गया है। अब लैमी का विदेश मंत्रालय का कार्यभार गृह मंत्री यवेट कूपर संभालेंगी। लैमी अब उप-प्रधानमंत्री होने के साथ-साथ न्याय मंत्रालय भी देखेंगे। स्टारमर ने पर्यावरण, व्यापार और विज्ञान-प्रौद्योगिकी विभागों में भी बदलाव किए हैं और दो मंत्रियों को कैबिनेट से बाहर कर दिया है। सरकार पर बढ़ते संकट स्टारमर ने जुलाई 2024 में 14 साल की कंजरवेटिव सरकार का अंत कर प्रधानमंत्री पद संभाला था। लेकिन इसके बाद से उनकी सरकार कई मुद्दों पर डगमगाई है- कल्याणकारी योजनाओं और बुजुर्गों के ईंधन लाभ पर यू-टर्न लेना पड़ा, जबकि अर्थव्यवस्था को गति देने का वादा अधूरा है। आने वाला बजट भी कठिन माना जा रहा है। साथ ही, छोटे नावों से आ रहे अवैध प्रवासियों को रोकने में असफलता ने सख्त रुख अपनाने वाली नाइजेल फराज की रिफॉर्म यूके पार्टी को मजबूती दी है, जो अब लोकप्रियता में लेबर से आगे निकल चुकी है। अब इस चुनौती से निपटने की जिम्मेदारी शबाना महमूद पर होगी। रेयनर का विवाद और इस्तीफा 45 वर्षीय रेयनर ने बुधवार को स्वीकार किया कि उन्होंने हव (ब्राइटन के पास) में खरीदे गए 8 लाख पाउंड के समुद्र तटीय अपार्टमेंट पर स्टांप ड्यूटी कम चुकाई। उन्होंने स्वयं को सरकार के स्वतंत्र नैतिकता सलाहकार के पास जांच के लिए भेजा था। जांच में पाया गया कि रेयनर ने अपने पूर्व पारिवारिक घर के दस्तावेज से नाम हटाकर नया फ्लैट मुख्य निवास के रूप में दर्ज कराया, जबकि उनके नाबालिग बेटे के कारण पुराने घर में उनकी हिस्सेदारी बनी रही। इस तरह उन्होंने लगभग 40,000 पाउंड कर बचाया। रेयनर ने इस्तीफे में लिखा, मैं स्वीकार करती हूं कि मैंने उच्चतम मानकों का पालन नहीं किया। मुझे अतिरिक्त कर सलाह लेनी चाहिए थी, लेकिन मैंने गलती की। मैं इसकी गहरी खेद व्यक्त करती हूं। स्टारमर ने उनके इस्तीफे पर अफसोस जताते हुए कहा कि वह अब भी पार्टी में एक बड़ी हस्ती बनी रहेंगी।

ट्रंप ने माना रूस यूक्रेन युद्ध रोकने में रहे असफल, कहा- नहीं कर पाया अपना वादा पूरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से ज्यादा समय से संघर्ष चल रहा है और अभी भी इसके थमने के फिलहाल कोई आसार नहीं है। कारण है कि पिछले दिनों इस संघर्ष को खत्म करने के सभी प्रयास विफल होते दिख रहे है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि वह अपने एक बड़े चुनावी वादे को पूरा नहीं कर सके। ट्रंप ने माना कि वह रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने में नाकाम रहे हैं, जिसे उन्होंने अपने कार्यकाल का सबसे कठिन संघर्ष बताया। ट्रंप ने ये बात व्हाइट हाउस के नए नवीनीकरण के बाद आयोजित पहले आधिकारिक डिनर पर कही। इस दौरान ट्रंप ने ये भी दावा किया कि उन्होंने दुनिया के कई पुराने युद्धों को खत्म किया है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे बड़ी चुनौती बन गया। इस डिनर में अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य और अन्य वरिष्ठ मेहमान मौजूद थे। पुतिन के साथ अच्छी बातचीत, लेकिन... ट्रंप ने आगे कहा कि मैंने सोचा था रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकना सबसे आसान होगा, क्योंकि मेरी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अच्छे संबंध है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह सबसे मुश्किल निकला।

उन्होंने यह भी कहा कि उनके कार्यकाल में कि एक युद्ध जो 31 साल से चल रहा था, 2 घंटे में खत्म हुआ, दूसरा 35 साल, और तीसरा 37 साल पुराना संघर्ष भी उन्होंने सुलझा लिया। चुनावी वादा 24 घंटे में युद्ध खत्म करने का दावा बता दें कि ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वे सत्ता में आते ही 24 घंटे में रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कर देंगे, लेकिन अब तक कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। अगस्त में हुई अलास्का शिखर बैठक को उन्होंने उत्पादक बताया, लेकिन कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ। ट्रंप का भरोसा बरकरार इस दौरान ट्रंप ने ये भी कहा कि लोगों ने कहा था कि ये युद्ध खत्म नहीं हो सकते, लेकिन मैंने उन्हें खत्म किया। रूस और यूक्रेन वाला कठिन है, पर हम इसे भी हल करेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले गुरुवार को ट्रंप ने अपने युद्ध रोकने के पहले के दावे में बदलाव करते हुए कहा कि उन्होंने सात नहीं, तीन युद्ध रोके हैं।

ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने की आरोपी महिला के खिलाफ मामला वापस लिया

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने की आरोपी महिला के खिलाफ मामला वापस ले लिया है। अमेरिकी अटॉर्नी जीनिन पिरो के कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जिला अदालत में नथाली रोज जोन्स के मामले को खारिज करने के अनुरोध से पहले एक ग्रैंड जूरी ने उन पर अभियोग लगाने से इनकार कर दिया था। पिरो के कार्यालय द्वारा बताया गया है कि जोन्स के खिलाफ मामला खारिज करना न्याय के हित में है, लेकिन इसमें विस्तार से कुछ नहीं कहा गया है।

इंडियाना के लाफायेट की 50 वर्षीय जोन्स को 16 अगस्त को वाशिंगटन में सोशल मीडिया पर और सीक्रेट सर्विस एजेंटों के साथ एक साक्षात्कार के दौरान ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अभियोजकों ने कहा कि जोन्स ने 6 अगस्त को फेसबुक पर एक संदेश पोस्ट किया था कि ‘वह इस राष्ट्रपति का पेट फाड़कर और उनकी सांस नली को काटकर उन्हें मारने को तैयार हैं।’

अभियोजकों के अनुसार, जब सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने 15 अगस्त को उससे पूछताछ की, तो जोन्स ने कहा कि ‘वह ट्रंप को शांतिपूर्वक पद से हटाना चाहती हैं, लेकिन अगर मुझे ऐसा करना पड़ा तो मैं उन्हें परिसर में ही मार डालूंगी’। जोन्स को एक दिन बाद वाशिंगटन में गिरफ्तार कर लिया गया, जहां वह व्हाइट हाउस के पास एक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। जोन्स के वकील के अनुसार, जोन्स ने सीक्रेट सर्विस एजेंटों से बार-बार कहा कि उनका किसी को नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था, उनके पास कोई हथियार नहीं था और वह शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए वाशिंगटन गई थीं।

हमारे यहां खालिस्तानी संगठनों को मिल रही आर्थिक मदद, अपनी ही रिपोर्ट ने खोली कनाडा की पोल

ओटावा, एजेंसी। खालिस्तानी आतंकियों की फंडिंग को लेकर कनाडा सरकार की अपनी ही नई रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। इसमें कहा गया है कि खालिस्तानी हिंसक उग्रवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन समेत कई आतंकी संगठनों को कनाडा से आर्थिक सहायता मिल रही है। यह जानकारी हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट 2025 असेसमेंट ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क्स इन कनाडा में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में आपराधिक संहिता के अंतर्गत सूचीबद्ध कुछ आतंकवादी संगठन जैसे हमास, हिजबुल्लाह और खालिस्तानी चरमपंथी संगठन, राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक उग्रवाद श्रेणी में आते हैं और इन्हें कनाडा से वित्तीय सहयोग प्राप्त होता रहा है।

खालिस्तानी नेटवर्क और फंडिंग के तरीके : रिपोर्ट में कहा गया है कि खालिस्तानी संगठन भारत के पंजाब में स्वतंत्र राज्य बनाने के लिए हिंसक तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन्हें कनाडा समेत विभिन्न देशों में मौजूद समर्थकों से धन जुटाने में मदद मिलती है। रिपोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि पहले कनाडा में इनका बड़ा फंडिंग नेटवर्क सक्रिय था, लेकिन अब यह ऐसे छोटे-छोटे समूहों और व्यक्तियों के माध्यम से संचालित हो रहा है, जिनकी निष्ठा खालिस्तान आंदोलन के प्रति है, भले ही वे किसी विशेष संगठन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े न हों। एनपीओ और चैरिटेबल संगठनों के जरिए धन जुटाना जांच में पाया गया है कि इन आतंकी संगठनों ने धन जुटाने के लिए गैर-लाभकारी संस्थाओं (एनपीओएस) और चैरिटेबल संगठनों का भी इस्तेमाल किया है। रिपोर्ट के अनुसार, हमास और हिजबुल्लाह लंबे समय से चैरिटेबल और एनपीओ सेक्टर के दुरुपयोग के लिए कुख्यात रहे हैं। इसी तरह खालिस्तानी चरमपंथी संगठनों ने भी प्रवासी समुदायों से चंदा के जरिए धन इकट्ठा करने और उसे ट्रांसफर करने के लिए ऐसे नेटवर्क का सहारा लिया है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कनाडा में अधिकांश एनपीओएस में मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग का खतरा शून्य है, लेकिन कुछ संस्थाओं के मामले में यह जोखिम अधिक हो सकता है। भारत-कनाडा संबंध खालिस्तानी उग्रवाद का उल्लेख ऐसे समय पर हुआ है जब भारत और कनाडा के रिश्तों में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिल रहा है। मार्क कार्नी की सरकार के सत्ता में आने के बाद दोनों देशों ने हाल ही में एक-दूसरे के लिए नए उच्चायुक्तों की नियुक्ति की है। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में रिश्ते गहरे संकट में आ गए थे, जब उन्होंने भारत पर कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में संलिप्त होने का आरोप लगाया था। इसके बाद भारत और कनाडा के बीच कई उच्च-स्तरीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया गया था। नई रिपोर्ट से यह साफ हो गया है कि कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी तत्व अब भी प्रवासी सिख समुदाय और गैर-लाभकारी संगठनों के जरिए अपनी गतिविधियों को जारी रखे हुए हैं।

इजरायल ने बदली रणनीति; गाजा शहर की ऊंची इमारत को बनाया निशाना, आगे और हमलों की धमकी

गाजा, एजेंसी। इजरायल ने हमास के खिलाफ अपना सैन्य अभियान एक बार फिर से तेज कर दिया है। इजरायली सेना ने गाजा शहर में एक ऊंची इमारत पर हमला किया। फिलिस्तीनियों ने बताया कि शुक्रवार को हुए हमले में रिमल स्थित मुश्ताहा टावर को निशाना बनाया गया। गाजा सिटी निवासी अहमद अल-बोआरी ने कहा कि शहर के अन्य हिस्सों में इजरायली हमलों के कारण भाग रहे लोगों ने इस इमारत में और इसके आसपास शरण ली थी। सैटेलाइट से ली गई तस्वीरों में आसपास बड़ी संख्या में तंबू दिखाई दे रहे हैं। हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। सेना ने हमास चरमपंथियों पर शहर में अन्य ऊंची

इमारतों का उपयोग निगरानी और योजनाबद्ध घात लगाने के लिए करने का आरोप लगाया। इसने कहा कि वह आने वाले दिनों में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर सटीक और टारगेटेड हमले करेगी। इजरायल ने कहा कि उसने इमारत पर इसलिए हमला किया कि हमास इसका इस्तेमाल निगरानी के लिए करता था। शुक्रवार के हमले से पहले ली गई इमारत की तस्वीरों से पता चला कि इसकी छत पहले के हमलों से पहले ही बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। शहर के कुछ हिस्सों को पहले ही रेड जोन माना जा चुका है, जहां फिलिस्तीनियों को संभावित भीषण लड़ाई से पहले ही खाली करने का आदेश दिया गया है। आक्रमण को और बढ़ाने की तैयारी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, गाजा में अन्य स्थानों पर हमले में कम से कम 27 लोग मारे गए हैं। इजरायल ने हजारों रिजर्व सैनिकों को जुटाना शुरू कर दिया है। सेना अपने आक्रमण को बढ़ाने की योजना के तहत निकासी की चेतावनियां दोहरा रही है, जिसे लेकर घरेलू स्तर पर विरोध और विदेशों में निंदा हो रही है। शहर के शिफा अस्पताल ने बताया कि इजरायली हमलों में 27 लोग मारे गए, जिनमें एक ही परिवार के छह सदस्य शामिल हैं। चरमपंथियों को निशाना बनाने का दावा इजरायली सेना का कहना है कि वह केवल चरमपंथियों को निशाना बनाती है और नागरिकों की मौतों के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया।

इमरान खान से मिलने अदियाला जेल पहुंचीं बहन अलीमा पर फेंके अंडे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सियासत में एक बार फिर गर्माहट का माहौल है। कारण है कि शुक्रवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान पर अंडा फेंकने की घटना सामने आई। ये घटना तब हुई जब अलीमा रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। अडियाल जेल में पिछले दो साल से इमरान खान कैद हैं। अलीमा पर अंडे फेंकने की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अलीमा को अंडा मारा गया। इसके बाद इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों में भारी नाराजगी देखने को मिल रहा है। फलस्वरूप पीटीआई के कार्यकर्ताओं ने अंडा फेंकने के आरोप में दो महिलाओं को पकड़ लिया और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। मामले में क्या कहना है पुलिस का? वहीं इस पूरे घटनाक्रम पर पुलिस की प्रतिक्रिया की बात करें तो रावलपिंडी पुलिस के बयान के अनुसार, गिरफ्तार की गई दोनों महिलाएं भी पीटीआई समर्थक हैं। वे ऑल-गवर्नमेंट एम्प्लॉइज ग्रैंड एलायंस के अन्य सदस्यों के साथ अपने मांगों को लेकर प्रदर्शन करने आई थीं। पुलिस का कहना है कि

अलीमा से पूछे गए सवालों का जवाब न मिलने पर उन्होंने अंडा फेंका। दूसरी ओर पीटीआई ने इस घटना को शर्मनाक बताते हुए आरोप लगाया कि यह एक राजनीतिक साजिश थी। पार्टी का दावा है कि इन महिलाओं को जानबूझकर वहां भेजा गया और पुलिस ने उन्हें बच निकलने में मदद की। इस घटनाक्रम से राजनीति में बयानबाजी तेज इस घटना के बाद पाकिस्तान भर में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। ऐसे में बीएनपी मेंगल प्रमुख अख्तर मेंगल ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि दुश्मनी में भी महिलाओं की इज्जत होनी चाहिए। यह राजनीति का सबसे घटिया रूप है। फेडरल डेवेलपमेंट मिनिस्टर अहसन इकबाल ने कहा कि राजनीति विचारों की होनी चाहिए, न कि नफरत और हिंसा की। इसके साथ ही पीएमएल एन के नेता साद रफीक ने घटना को घिनौना और निंदनीय बताया।

पाकिस्तान-चीन ने शुरू किया सीपीईसी का दूसरा चरण

बीजिंग , एजेंसी। पाकिस्तान और चीन ने विवादित चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत की और 21 समझौतों व संयुक्त उपक्रमों पर हस्ताक्षर किए। इनकी कुल कीमत करीब 8.5 अरब डॉलर है। ये समझौते बृहस्पतिवार को बीजिंग में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग के बीच हुई बैठक और निवेशक सम्मेलन के दौरान हुए। भारत लंबे समय से सीपीईसी का विरोध करता आया है, क्योंकि यह परियोजना पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरती है।

हंगरी ने रूसी तेल खरीद का बचाव किया, यूरोपीय संघ के देशों पर चोरी-छिपे आयात का आरोप लगाया

बुडापेस्ट, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर हंगरी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। विदेश और व्यापार मंत्री पीटर सिजार्तो ने कहा है कि हंगरी खुले तौर पर रूसी तेल खरीदता है क्योंकि उसके पास कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ अन्य यूरोपीय देश गुपचुप तरीके से बिचौलियों के जरिए सस्ती कीमतों पर तेल आयात कर रहे हैं।पीटर सिजार्तो ने शुक्रवार को हंगरी-अजरबैजान संयुक्त आर्थिक समिति की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें पाखंडियों के बहकावे में नहीं आना चाहिए, क्योंकि जो लोग हंगरी और स्लोवाकिया पर तेल खरीद को लेकर सबसे ज्यादा चिल्लाते हैं, उनमें से एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की भी है, जो कुछ एशियाई देशों के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से रूसी तेल खरीदते हैं। मंत्री ने आगे कहा, हंगरी सप्लाई सिक्योरिटी मामले में रूस के साथ सहयोग करता है। यूरोपीय संघ ने दक्षिण-पूर्वी यूरोप में गैस पाइपलाइन की क्षमता बढ़ाने में मदद करने का हमारा अनुरोध अस्वीकार कर दिया था। क्रोएशिया ने हमारे लिए एक वैकल्पिक पाइपलाइन की क्षमता नहीं बढ़ाई, बल्कि उस मार्ग पर ट्रांजिट शुल्क यूरोपीय मानकों से 5 गुना बढ़ाया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जब उनसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने यूरोपीय देशों से रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए कहा था, तो मंत्री ने इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हंगरी और स्लोवाकिया की खरीदारी की आलोचना करने वाले खुद भी अप्रत्यक्ष चैनलों के

माध्यम से इसी तरह के लेनदेन में शामिल हैं। पीटर सिजार्तो ने कहा, वे ऐसा सस्ता तेल खरीदने के लिए करते हैं। वे ऐसा इसलिए करते हैं कि उन्हें सस्ता तेल मिल सके। वे गुप्त रूप से रूसी तेल खरीदते हैं क्योंकि यह सस्ता है। हम रूसी तेल खुलकर खरीदते हैं क्योंकि हमारे पास कोई अन्य विकल्प नहीं है। सिजार्तो ने कहा कि हंगरी की ऊर्जा आपूर्ति भौतिक बुनियादी ढांचे पर निर्भर करती है, क्योंकि तेल और गैस सिर्फ मौजूदा पाइपलाइनों के माध्यम से ही पहुंचाए जा सकते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि यूरोपीय संघ ने दक्षिण-पूर्व यूरोपीय पाइपलाइन क्षमताओं के विस्तार के लिए हंगरी के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, जबकि हंगरी के दक्षिणी पड़ोसी क्रोएशिया ने वैकल्पिक मार्ग पर क्षमता बढ़ाने के बजाय ट्रांजिट शुल्क बढ़ाया। इससे पहले, विदेश और व्यापार मंत्री पीटर सिजार्तो ने घोषणा की थी कि बुडापेस्ट यूक्रेन के यूरोपीय संघ सदस्यता की राह पर पहली क्लस्टर वार्ता शुरू करने का समर्थन नहीं करेगा। 4 सितंबर को यह बात सामने आई कि एक वर्चुअल मीटिंग में ट्रंप ने यूक्रेन और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के नेताओं से कहा था कि यूरोप रूसी तेल खरीदकर इस युद्ध के लिए पैसे दे रहा है। अमेरिका ने यूरोपीय यूनियन से रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने का आग्रह किया। अमेरिका ने यह भी कहा कि पिछले साल रूस को ईंधन बेचने से ईयू से लगभग 1.1 बिलियन यूरो मिले थे। रीपावरईयू के तहत, यूरोपियन कमीशन ने 2027 तक रूसी गैस और तेल पर अपनी निर्भरता कम करने और आपूर्ति के स्रोतों को पूरी तरह से अलग-अलग करने का फैसला किया है। हालांकि, स्लोवाकिया और हंगरी ने रीपावरईयू योजना का विरोध किया है। दरअसल, जुलाई 2025 में स्लोवाकिया ने रीपावरईयू के माध्यम से रूस के खिलाफ यूरोपीय संघ के 18वें प्रतिबंध पैकेज को रोक दिया था, यह कहते हुए कि इससे देश की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को खतरा है।

सुमन सखी चैटबॉट नागरिक-केंद्रित सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम: उपमुख्यमंत्री शुक्ल

- मध्यप्रदेश में एआई आधारित सुमन सखी चैटबॉट सेवा शीघ्र होगी प्रारंभ
- प्रारंभिक चरण में फोकस मातृ स्वास्थ्य पर अगले चरण में समस्त स्वास्थ्य सेवाओं में होगा विस्तार

भोपाल| नगर संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया विज़न के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं में नवीनतम तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश में जल्द ही सुमन सखी चैटबॉट सेवा प्रारंभ की जा रही है। सुमन सखी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबॉट होगा, जो नागरिकों को गर्भावस्था के दौरान देखभाल, उच्च जोखिम कारकों की जानकारी, तथा महिलाओं से संबंधित सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रदेश में नागरिक-केंद्रित सुशासन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। यह सेवा न केवल योजनाओं की जानकारी और सेवाओं तक त्वरित पहुँच उपलब्ध कराएगी, बल्कि शासन की पारदर्शिता और जनविश्वास को भी मज़बूत करेगी।

मिशन डायरेक्टर एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि सुमन सखी चैटबॉट राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमपीएसईडीसी) के सहयोग से विकसित किया गया है। सुमन सखी चैटबॉट 24×7 उपलब्ध रहेगा और हिंदी भाषा में होगा, ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाएँ भाषा की किसी भी बाधा के बिना इसका लाभ उठा सकें। प्रारंभिक चरण में इसका फोकस मातृ स्वास्थ्य सेवाओं पर होगा और धीरे-धीरे अन्य प्रमुख योजनाएँ भी इसमें शामिल की जाएँगी। नागरिक इसे व्हाट्सएप के माध्यम से उपयोग कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया मऊगंज के बहुती जल प्रपात का अवलोकन, व्यू प्वाइंट से देखी दूधिया जलधारा

भोपाल| नगर संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मऊगंज जिले के प्रवास पर नई गड़ी जनपद पंचायत के बहुती जल प्रपात का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने वाटरफॉल के नजदीक जाकर व्यू प्वाइंट से जलप्रपात की गिरती हुई दूधिया जल धारा और वहा बनने वाले इंद्रधनुष की आभा को देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहुती जल प्रपात के समीप कार्यक्रम स्थल पर गौपूजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव से जंगल में विचरण करने वाली गौमाताओं को अपनी एक आवाज में अपने पास बुलाने की कला रखने वाले रकरी गांव के गौसेवक सौखीलाल यादव ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम की दीदीओं द्वारा सम्मान कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बहुती में हुआ पारंपरिक स्वागत: मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बहुती पहुंचने पर पारंपरिक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मऊगंज की लोक कला की छात्राओं ने बघेली शैली नृत्य और स्थानीय लोक कलाकारों के दल ने अहिरहाई लोकनृत्य की प्रस्तुति देकर स्वागत किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, पशुपालन डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल, विधायक सर्वश्री गिरीश गौतम, दिव्यराज सिंह और प्रदीप पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, कमिश्नर रीवा बी.एस. जामोद, आई.जी. गौरव राजपूत, कलेक्टर संजय जैन एवं पुलिस अधीक्षक प्रजापति सहित नागरिक मौजूद थे।

पर्यटक स्थल के रूप में किया जा रहा है विकसित: कलेक्टर मऊगंज संजय जैन ने बताया कि बहुती जल प्रपात को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने एवं जन सुविधाओं के विकास के लिए 10 करोड़ रुपए लागत की कार्ययोजना प्रस्तावित की गई है। कलेक्टर ने बातया कि बहुती प्रपात के अप स्ट्रीम में स्टॉप डैम का निर्माण प्रस्तावित है। स्टॉप डैम में जल का संचय होने से वाटर फॉल की जल धारा का बारह माह सदा अविरल प्रवाह बना रहेगा।

प्रदेश का सबसे ऊँचा बहुती जल प्रपात: बहुती जल प्रपात रीवा से 75 किलोमीटर दूर मऊगंज जिले में स्थित है। यह विन्ध्य क्षेत्र ही नहीं पूरे मध्यप्रदेश का सबसे ऊंचा जलप्रपात है। बहुती में सेलर नदी 650 फिट की ऊंचाई से दो धाराओं में विभक्त होकर गिरती है। नीचे सुंदर कुंड और चारों ओर घने वन हैं। बहुती में अनंत जलराशि लंबवत चट्टानों पर गिरती है। जुलाई से सितम्बर माह तक इस प्रपात का सौंदर्य अपने चरम पर होता है। प्रपात के समीप ही अष्टभुजा देवी का प्रसिद्ध मंदिर भी स्थित है।

जाटव समाज संभागीय समिति की बैठक बावड़ियां कलां में सम्पन्न

जीवन कुमार जाटव बने जिला अध्यक्ष, राकेश उपाध्यक्ष, ब्रह्मानंद बने मीडिया प्रभारी

भोपाल। जाटव समाज संभागीय समिति मध्य प्रदेश, भोपाल की अहम बैठक बावड़ियां कलां में सम्पन्न हुई। इस दौरान सर्वसम्मति से जीवन कुमार जाटव को भोपाल जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। साथ ही राकेश जाटव को उपाध्यक्ष और ब्रह्मानंद जाटव को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैठक में संभागीय अध्यक्ष नवीन जाटव, पूर्व अध्यक्ष दुर्गाप्रसाद, पूर्व संभागीय अध्यक्ष डॉ. संतोष जाटव, महासचिव मोकम सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी झनकसिंह, हरिप्रसाद जाटव, सुखराम जाटव, प्रहलाद सिंह, भंवरलाल, अशोक, विजय सिंह, कैलाश जाटव, परसराम राजोरिया, ओम प्रकाश, इमरत जाटव, कमल सिंह जाटव, कृष्णा, तोरण सिंह, प्रदीप, सुनील, लक्ष्मीनारायण, सतीश जाटव, थान सिंह जाटव, बृजेश जाटव, मोरध्वज जाटव, महेंद्र राजोरिया, हरिदास, तरुण, कृष्णा, शरद, विकास, विशाल, हर्ष, गीतांश, दिव्यांश सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सांसद आलोक शर्मा ने व्यापारियों से स्वदेशी सामान बेचने की अपील

भोपाल। सांसद आलोक शर्मा ने शुक्रवार को भोपाल शहर के पुराने चौक बाजार, जुमेराती और लखेरापुरा में स्वदेशी अपनाओ के बारे में जन जागरण किया। इस अवसर पर उन्होंने व्यापारियों से स्वदेशी सामान बेचने अपील की। सांसद शर्मा के आव्हान पर दुकानदारों ने अपनी अपनी दुकानों के बाहर ÷यहां स्वदेशी सामान मिलता है÷ के बोर्ड लगाए। जन जागरण के दौरान संसद आलोक शर्मा के साथ व्यापारी गणों ने संकल्प लिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को आगे बढाते हुए वे सभी अपनी दुकानों पर स्वदेशी सामान ही बेचेंगे। सांसद शर्मा ने कहा कि स्वदेशी केवल एक नारा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निर्णायक कदम है। स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से न केवल देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती है, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा भी सुरक्षित रहती है। वोकल फॉर लोकल और ÷मेक इन इंडिया÷ जैसे अभियान देश को विकसित भारत बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास हैं। इससे भारतीय उद्योग, किसान और छोटे व्यापारी लाभान्वित होते हैं। स्थानीय कला और परंपरा को बढ़ावा मिलता है। आत्मनिर्भरता से देश मजबूत बनता है। सांसद शर्मा के साथ जंजैगरा स्वदेशी अपनाओ जागरण अभियान के तहत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कारण एवं व्यापारी बंधु गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

लायन्स क्लब भोपाल साउथ का सम्मान समारोह

भोपाल। लायन्स क्लबाजी क्लब भोपाल साउथ ने शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 7 विशिष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

सम्मानित शिक्षक

1. डॉ. अंकिता जैन (चित्रकार)
2. सोनिया यादव मेडम (उत्कृष्ट खिलाड़ी)
3. श्री अनूप श्रीवास्तव सर (उत्कृष्ट संगीतज्ञ)
4. श्री एस. साबिर अली (उत्कृष्ट क्रीड़ा शिक्षक)
5. श्री प्रकाश सिंह सर (उत्कृष्ट शिक्षक)
6. श्रीमती सुष्मिता बेनर्जी (उत्कृष्ट शिक्षक)
7. श्री ऐजाज़ अहमद (उत्कृष्ट क्रीड़ा शिक्षक)

इस अवसर पर गज़ल शाम भी आयोजित की गई, जिसमें सभी अतिथियों ने भाग लिया। सभी 7 शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया और उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान चिन्ह प्रदान किए गए। अध्यक्ष- लायन डॉ.अर्चना मुखर्जी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और उनके साथ मिलकर इस अवसर को यादगार बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

भोपाल में गणेश जी महाआरती में शामिल हुए अभिनेता व सांसद रवि किशन

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के पार्वती नगर कोलार स्थित विराजमान श्री गणेश जी की महा आरती में शुक्रवार के दिन जाने-माने फिल्म अभिनेता वह गोरखपुर से सांसद रवि किशन शामिल होने पहुँचे। उनके साथ भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री शिल्पी राघवानी जाने-माने भोजपुरी संगीतकार राकेश मिश्रा सहित अन्य नेतागण भी संगीतमय महा आरती में शामिल हुए। गुरुवार को पार्वती नगर स्थित विराजमान गणेश जी की महा आरती में पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा भी शामिल हुए थे। इसका आयोजन मां पार्वती नगर गणेश उत्सव समिति द्वारा किया गया था। आज यहां हवन पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया है। राजधानी भोपाल के कॉलर स्थित पार्वती नगर में विराजमान श्री गणेश जी की झांकी में जैसे ही गोरखपुर सांसद व फिल्म अभिनेता रवि किशन अभिनेत्री शिल्पी राघवानी पहुंचे। तो उन्हें देखने और सुनने वालों का अपार तादात में जनसंख्या दिखाई दी। उनके पहुंचते ही भव्य आतिशबाजी कर उनका आयोजन समिति द्वारा विशाल पुष्प मालाओं से स्वागत सम्मान किया गया।

शाहजहाँनाबाद पुलिस ने नकबजन गिरफ्तार कर एक लाख रूपये का मशरूका चोरी की मो.सा. बरामद

दुकान मे रेकी कर की थी वारदात

भोपाल (नप्र)। फरियादी सजल जैन निवासी शाहजहाँनाबाद भोपाल ने अज्ञात आरोपी के विरूद्ध दुकान मे घुसकर फरूटी की पेटियां, अमूल घी का डिब्बा, पारले बिस्किट का कार्टून, हल्दीराम नमकीन की पेटिया एवं गल्ले मे रखे नगदी 6000/- रुपये चोरी करने रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिस पर थाना शाहजहाँनाबाद भोपाल मे अप.क्र.515/25 धारा 305(ए),331(4) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। कार्यवाही का विवरणः- वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में मामले की विवेचना कार्यवाही मे तकनीकी मदद से आरोपी की पहचान सुनिश्चित करने मुखबिर तंत्र विकसित किया गया जिसके परिणाम स्वरूप मामले मे अज्ञात आरोपी की राशिद अली पिता जाकिर अली उम्र 22 साल निवासी सालीमार स्कूल वालो का किराये का मकान दुर्गा मंदिर के पीछे कबीटपुरा भोपाल के रूप मे पहचान होने पर आरोपी की सघनता से तलाश पतारशी की गई दौराने तलाश आरोपी राशिद अली के दस्तयाब होने पर घटना के संबंध मे पूछताछ की गई पूछताछ पर आरोपी द्वारा अपने साथी अभिषेक शर्मा उर्फ कल्लू पिता अशोक शर्मा उम्र 20 साल नि. सालीमार स्कूल वालो का किराये का मकान दुर्गा मंदिर के पीछे कबीटपुरा थाना टीलाजमालपुरा भोपाल के साथ मिलकर घटना घटित करना बताया मामले मे आरोपियो की गिरफ्तारी कर फरियादी की दुकान से चोरी गया माल कुल कीमती 1,00,000 रूपये का बरामद किया गया है । बरामद सम्पत्ति- फरूटी की पेटियां, अमूल घी का डिब्बा, पारले बिस्किट का कार्टून, हल्दीराम नमकीन की पेटिया एवं गल्ले मे रखे नगदी 6000/- रुपये

सराहनीय भूमिकाः- थाना प्रभारी उमेश पाल सिंह चौहान, सउनि. सुनील कुमार चौकसे, प्र.आर.36 सुनील तिवारी, प्रआर.1351 कृपाशंकर गौतम, प्र.आर.3135 राजेश भारती, प्र.आर.2906 ओमप्रकाश, प्र.आर.1680 मोहम्मद नफीस मंसूरी, आर. 1995 दीपक सावरकर, आर.4440 राहुल पाल की सराहनीय भूमिका रही है।

नागरिकों के लिए व्हाट्सएप आधारित डिजिटल हेल्प डेस्क है आयुष्मान सखी

भोपाल (नप्र)। आयुष्मान भारत निरामय योजना का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को दिलाने के उद्देश्य से आयुष्मान सखी व्हाट्सएप चैट बाट की शुरुआत की गई है। इसे आयुष्मान सखी के नाम दिया गया है। आयुष्मान सखी एक व्हाट्सएप डिजिटल हेल्प डेस्क है जो मध्य प्रदेश राज्य स्वास्थ्य एजेंसी के द्वारा स्वास्थ्य के सहयोग से विकसित की गई है। यह 24×7 सेवा है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति व्हाट्सएप नंबर 0755- 2762582 पर नमस्ते या ॥द्ध मैसेज भेजकर आयुष्मान भारत योजना से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकता है। इसमें कई विकल्प दिखाई देते हैं जिन्हें चुनकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इससे नागरिक अपनी पात्रता की जांच, अपने आयुष्मान कार्ड वॉलेट की जानकारी, आयुष्मान से संबद्ध अस्पतालों की सूची, आयुष्मान कार्ड डाउनलोड करना सहित अन्य जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आभा आईडी (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट), वह वय वंदना योजना की जानकारी, 70 प्लस के व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड किस प्रकार बनाए जाते हैं आदि जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। यह व्हाट्सएप चैटबॉट सहज संवाद, ऑटोमेटिक उत्तर एवं आमजन के लिए सुलभ सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य आयुष्मान भारत निरामय शाखा का एक नवाचार है।

तेली समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह भोपाल मे सम्पन्न

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल स्थित नंदराम साहू मंगल भवन बरखेड़ी में मेधावी छात्र छात्राओं का एक विराट सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उपरोक्त विशाल कार्यक्रम राधा कृष्णा साहू समाज समिति के द्वारा पूरे भोपाल जिले के साहू राठौर समाज यह छात्र-छात्राओं के प्रोत्साहन हेतु विगत 50 से 55 वर्षों से होता चला आ रहा है। कार्यक्रम समाज के वरिष्ठ संरक्षक मंडल के संयोजक आदरणीय पुरुषोत्तम गुप्ता एडवोकेट के मार्गदर्शन में लगभग 145 मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण कर किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि लोकप्रिय सांसद भाई आलोक शर्मा जी एवं विशेष अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री एवं विधायक भाई भगवान दास सबनानी जी एवं साहू समाज भोपाल जिला अध्यक्ष रवीन्द्र साहू झूमरवाला द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया । मध्य प्रदेश के उपरोक्त लोकप्रिय सांसद जी एवं विधायक जी का स्वागत संस्था के अध्यक्ष श्री प्रवीण साहू जी के द्वारा किया गया । मंच का संचालन इकाई के उपाध्यक्ष श्री डालचंद साहू एवं श्रीमती बबीता साहू और महा मंत्री संतोष साहू पत्रकार के द्वारा किया गया।वही समाज के नेता सम्माननीय पुरुषोत्तम गुप्ता एडवोकेट जो जिला साहू समाज के भी संरक्षक है, भारतीय जनता पार्टी की दोनों नेताओं से सशक्त तरीके से कहा की भोपाल जिले में निवास रत ढाई लाख से अधिक समाज को जब से भारतीय जनता पार्टी बनी है एक भी बार विधानसभा का टिकट नहीं दिया है, जो अपने आप में न्यायिक नहीं है। उन्होंने उक्त मंच से मांग कर कहा कि इस बार इस कमी को दोनों नेता दय पार्टी से निराकरण करवायें।

राज्य महिला आयोग में नए अपराधिक कानूनों की जानकारी देने आयोजित की कार्यशाला

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग के सभागार में , आयोग के सदस्य सचिव सुरेश तोमर के मार्गदर्शन में महिलाओं से संबंधित कानूनों की जानकारी प्रदान करने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कानूनी मामलों की विशेषज्ञ सुश्री शिखा छिब्बर ने बताया कि आई.पी.सी. में महिलाओं के हित में कौन-कौन से कानून थे और भारतीय न्याय संहिता एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में कौन-कौन से नए एक्ट जोड़े गए हैं। विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने सेक्शन 69 के बारे में बताया जिसके अनुसार यदि कोई व्यक्ति धोखाधड़ी करके, अपनी पहचान,धर्म जाति, उद्देश्य आदि छुपा कर, शादी का झूठा वादा कर के महिला के साथ यौन संबंध बनाता है तो वह सेक्शन 69 के तहत अपराधी होगा जिसे 10 साल तक की सजा हो सकती है। आई.पी.सी. में इस कृत्य के लिए कोई प्रावधान नहीं था जिससे बलात्कार का आंकड़ा अधिक होता था, सेक्शन 69 के जोड़ने के बाद सही आंकलन किया जा सकेगा। सुश्री छिब्बर ने कहा कि महिलाओं को उनके लिए बनाए गए कानूनों के प्रति जागरुक करने की आवश्यकता है, अधिकतर पीड़ित महिलाएं पुलिस थाने पर एफ.आई.आर. दर्ज करवाने ही नहीं जाती हैं या पुलिस वाले एफ.आई.आर. दर्ज नहीं करते हैं तो महिला घर बैठे ही ई-एफ.आई.आर. दर्ज करवा सकती है और 3 दिन के भीतर थाने पर जाकर अपने हस्ताक्षर कर उसकी पुष्टि कर अपने पास रख सकती है। विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने पूर्व के कानून में हुए संशोधनों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में आयोग के अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवतालाब शिव मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना और रुद्राभिषेक किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मऊगंज जिले के देवतालाब शिव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान आशुतोष का रुद्राभिषेक भी किया। मुख्यमंत्री ने भगवान शिव से प्रदेश की निरंतर प्रगति और जनकल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवकुंड का अवलोकन किया और इसका सौंदर्यीकरण कराए जाने की बात कही। मंदिर परिसर में अंतर्राष्ट्रीय कलाकार बांकेलाल के शहनाई वादन की मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, विधायक देवतालाब श्री गिरीश गौतम, विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह, विधायक त्योंथर श्री सिद्धार्थ तिवारी सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी सहित स्थानीय जन उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि विंध्य की धरा में मऊगंज जिले के देवतालाब शिव मंदिर का विशिष्ट स्थान है। कहा जाता है कि भगवान विश्वकर्मा ने केवल एक रात में एक ही पत्थर से शिव मंदिर का निर्माण किया था।

कठिन परिस्थितियों में भी हमें धर्म, कर्तव्य और सच्चाई का साथ नहीं छोड़ना चाहिए : खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल। सागर के जैसीनगर में कुशवाहा समाज द्वारा भगवान लव-कुश जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत शामिल हुए। उन्होंने हिमांचल टौरी पर 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित भगवान लव कुश भवन का लोकार्पण किया। मंत्री श्री सिंह राजपूत ने भगवान लव-कुश की मनमोहक झांकी का पूजन-अर्चना किया। कुशवाहा समाज के लोगों ने मंत्री श्री राजपूत का फलों से तुलादान कर स्वागत किया। मंत्री श्री राजपूत ने समाज को भगवान लव-कुश जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान लव कुश और भगवान श्री राम की महिमा से कोई अपरिचित नहीं है। प्रत्येक घर में रामचरितमानस का पाठ होता है और भगवान राम, लव और कुश की मर्यादा, शौर्य और पराक्रम की गाथाएं सभी के मन में बसी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान लव और कुश ने वनवास के कठिन समय में भी धर्म, कर्तव्य और सच्चाई का पालन किया। उनकी वीरता का प्रमाण अश्वमेध यज्ञ के घोड़े को रोकने की कथा से मिलता है। उन्होंने समाजजनों से कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी हमें अपने धर्म, कर्तव्य और सच्चाई का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास कार्यों का श्रेय क्षेत्र की जनता के आशीर्वाद को जाता है। उन्होंने कहा, मैं केवल माध्यम हूं, विकास कार्य भगवान और आप सभी की प्रेरणा से संभव हुए हैं। काम करने वाला मैं हूं और कराने वाले आप सभी। उन्होंने बताया कि राहतगढ़, सिहोरा, जैसीनगर, बिलहरा और सुरखी में पेयजल आपूर्ति के लिए 40 किलोमीटर दूर मडिया डेम से पानी लाया गया है, जिसके लिए जनता का आशीर्वाद और सहयोग महत्वपूर्ण रहा।

बिग बॉस 19 : मेहमान बनकर आए मुनव्वर फारूकी ने अभिषेक को किया रोस्ट

बिग बॉस 19 का दूसरा वीकएंड वार जारी है। आज शनिवार को भी दर्शकों का जबरदस्त मनोरंजन होने वाला है, क्योंकि इसमें स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी बतौर मेहमान पहुंच रहे हैं। आगामी एपिसोड का एक प्रोमो लॉन्च हुआ है, जिसमें मुनव्वर बिग बॉस के घर में रह रहे कंटेस्टेंट्स को रोस्ट करते दिख रहे हैं। आइए जानते हैं उन्होंने किसके बारे में क्या कहा।

बिग बॉस 19 के इस नए प्रोमो में स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी ने सबसे पहले प्रणीत मोरे का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, 'आज मैं यहां हूं प्रणीत की वजह से, क्योंकि दो दिन पहले बिग बॉस ने इन्हें रोस्ट का काम दिया था। अगर ये ठीक से कर लेते तो मुझे नहीं बुलाते।' यह सुनकर सभी हंसने लगते हैं। मुनव्वर ने इसी कड़ी में कंटेस्टेंट अभिषेक बजाज को भी रोस्ट किया। उन्होंने कहा, 'अभिषेक भाई, मेरे चाचा के पास भी एक स्कूटर है। वो आवाज बहुत करता है, लेकिन काम कुछ नही करता।'

वीडियो में आगे स्टैंडअप कॉमेडियन ने कहा, 'तान्या मित्तल जब बोलती हैं, तो औरा बढ़ जाता है। वहीं जब नेहल चुडासमा बोलती हैं, तो दौरा पड़ जाता है।' यह सुन नेहल हैरान हो जाती हैं। इसके अलावा मुनव्वर ने सिंगर अमाल मलिक से कहा कि क्या वह अपनी खर्राटे वाली मशीन लेकर आए हैं? इसके जवाब ने सिंगर ने कहा, हां।

आज रविवार को बिग बॉस 19 के दूसरे वीकएंड वार का दूसरा दिन है, जो काफी मजेदार होने वाला है। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि मुनव्वर द्वारा किस कंटेस्ट्स को ज्यादा रोस्ट किया जाता है।

भारत की अनुपर्णा रॉय ने रचा इतिहास

वेनिस फिल्म फेस्टिवल में जीता सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार

भारतीय फिल्म निर्देश अनुपर्णा रॉय ने देश का परचम लहराया है। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई एकमात्र भारतीय फिल्म- 'सॉन्ग्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' के लिए अनुपर्णा को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान दिया गहया। क्यों खास है अनुपर्णा की ये उपलब्धि? क्या है फिल्म की कहानी? जानिए सबकुछ।इटली में आयोजित 82वें वेनिस फिल्म फेस्टिवल में भारत का डंका बजा है। पूरे देश लिए गर्व के इन लम्हों को सहेजने का श्रेय फिल्ममेकर अनुपर्णा रॉय को जाता है। उनकी फिल्म 'सॉन्ग्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' के लिए उन्हें ओरिज़ोंटी सेक्शन का सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार की घोषणा ओरिज़ोंटी जूरी की अध्यक्ष, फ्रांसीसी फिल्मकार जूलिया ड्यूकुर्नो ने समापन समारोह के दौरान की। भारतीय सिनेमा के लिए यह उपलब्धि महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित है फिल्म

अनुपर्णा रॉय की इस फिल्म से अनुराग कश्यप भी जुड़े हैं। खास बात ये भी रही कि इस वर्ष के ओरिज़ोंटी सेक्शन में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म- 'सॉन्ग्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' ही रही। मुंबई में प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म में आधी आबादी के अकेलेपन, संघर्ष और क्षणिक रिश्तों के बीच जीने का रास्ता तलाशने की जिजिविषा को दिखाया गया है।

कलाकारों और अनुराग कश्यप का विशेष आभार

इटली के वेनिस शहर में अवॉर्ड लेने मंच पर सफेद साड़ी में पहुंचीं अनुपर्णा रॉय ने देश के परिधान को भी सात समंदर पार खास तौर पर स्थान दिलाया। उन्होंने इस सम्मान को सपना सच होने जैसा लम्हा बताया। उन्होंने जूरी, अपनी टीम, कलाकारों और अनुराग कश्यप का विशेष आभार व्यक्त किया।

इन फिल्मों की भी रही चर्चा

बता दें कि इस वर्ष के वेनिस फिल्म फेस्टिवल के मुख्य प्रतियोगिता खंड में कई चर्चित फिल्मों ने ध्यान खींचा। इनमें पाओलो सोरेन्टिनो की ला ग्राज़िया, कैथरीन बिगेलो की ए हाउस ऑफ डायनामाइट, बेनी सैफ्दी की द स्मैशिंग मशीन, मोना फास्टवोल्ड की द टेस्टामेंट ऑफ ऐन ली, गिलर्मो डेल टोरो की फ्रेंकस्टाइन, यॉर्गोस लैंथिमोस की बुगोनिया और पार्क चान-वूक की नो अदर चॉइस जैसी फिल्में प्रमुख रहीं।

रश्मिका और विजय की गुपचुप सगाई, एक्ट्रेस की डायमंड रिंग देख गर्म हुआ चर्चाओं का बाजार

रश्मिका मंदांना और विजय देवरकोंडा के रिलेशनशिप को लेकर खबरों का बाजार लंबे समय से गर्म चल रहा है। लोगों के बीच इस बात की चर्चा है कि यह दोनों सितारे एक दूसरे के इश्क में पड़ गए हैं लेकिन अब तक इन्होंने अपने रिलेशनशिप को लेकर कोई भी बात कंफर्म नहीं की है। अब यह खबर सामने आ रही है कि इन दोनों ने इंगेजमेंट कर ली है।जी हां, लंबे समय से इस बात की चर्चा तो हो ही रही है कि रश्मिका और विजय एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। इन्हें कई बार साथ में देखा गया है और वेकेशन की तस्वीरों से भी कई बार हिंट मिल चुकी है। इसी बीच अब दुबई में इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स में पहुंची रश्मिका की हीरे की अंगूठी ने लोगों का ध्यान खींच लिया। इस अंगूठी को देखने के बाद तरह-तरह की बातें की जाने लगी है।रश्मिका मंदांना जब दुबई रवाना होने के लिए एयरपोर्ट पहुंची तब उनके हाथों में हीरे की खूबसूरत से अंगूठी दिखाई दे रही थी। सबसे खास बात यह है कि इस अंगूठी को एक्ट्रेस ने अपनी रिंग फिंगर में पहना हुआ था। यही वजह रही कि लोगों को ऐसा लगा कि उन्होंने सगाई कर ली है। जैसे ही रश्मिका मंदांना का यह वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उनके हाथ में रिंग दिखाई दे रही है। वैसे ही सोशल मीडिया पर कमेंट्स आने का सिलसिला शुरू हो गया। कुछ ऐक्ट्रेस को बधाइयां दे रहे थे तो कुछ सवाल पूछ रहे थे। एक ने लिखा 'फाइनली बधाई हो।' दूसरे ने कहा 'रश्मिका को सच बता देना चाहिए।' एक ने कहा कि 'कोई देवरकोंडा का हाथ भी चेक कर लो।' इस तरह के कई सारे कमेंट वीडियो पर देखने को मिल रहे हैं। हालांकि सितारों ने इस पर कोई भी रिएक्शन नहीं किया है।

विजय बोले- नहीं हूं सिंगल

रश्मिका और विजय की अफेयर की खबर आज से नहीं लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है। इन खबरों को हवा तब लगी जब अगस्त में इन दोनों को न्यूयॉर्क में इंडिया डे परेड में एक दूसरे का हाथ थामे देखा गया। वहीं कुछ महीने पहले एक मीडिया इंटरेक्शन में विजय को अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर बात करते हुए देखा गया था। उन्होंने कहा था कि अब वह सिंगल नहीं है। इस दौरान उन्होंने रश्मिका या फिर किसी और का नाम तो नहीं लिया था लेकिन फैंस ने इसे सीधा एक्ट्रेस से जोड़ना शुरु कर दिया था।

आपको बता दें कि रश्मिका मंदांना की सगाई पहले एक्टर रक्षित शेट्टी के साथ हुई थी। फिल्म 'किरिक पार्टी' के सेट पर इन दोनों की मुलाकात हुई थी। ये एक दूसरे को पसंद करने लगे थे और 2017 में इन्होंने सगाई कर ली थी। हालांकि 2018 में यह दोनों अलग हो गए और इन्होंने शादी नहीं की। इसके कुछ सुबह बाद रश्मिका का नाम लगातार विजय से जोड़ा जाने लगा। इन दोनों ने कुछ फिल्में भी साथ में की है और इनकी डेटिंग की खबरें फैंस के बीच चर्चा का विषय रहती हैं।

बजट का 5 गुना कमा चुकी है लोका चैप्टर 1

डोमिनिक अरुण के डायरेक्शन और दुलकर सलमान के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी मलयालम फैंटेसी सुपरहीरो फिल्म लोका चैप्टर 1 चंद्रा ने बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के 10वें दिन भी तबाही मचा रखी है. कल्याणी प्रियदर्शन के लीड रोल वाली इस साउथ फिल्म ने आज यानी 10वें दिन बागी 4 और द कन्यूरिंग जैसी फिल्मों के सामने भी घुटने नहीं टेके हैं. बल्कि इसका उल्टा फिल्म की कमाई में और यादा तेजी आ चुकी है.फिल्म ने हर दिन कितनी कमाई की है, इसकी पूरी रिपोर्ट आप नीचे टेबल में सैक्निल्क के मुताबिक देख सकते हैं. इसमें से आज का डेटा 10:30 बजे तक का है और फाइनल नहीं है. इसमें अभी बदलाव हो सकता है.इस फिल्म को बनाने में सैक्निल्क के मुताबिक, सिर्फ 30 करोड़ रुपये का बजट खर्च किया गया है. वहीं इसके वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो इसने इस साल की कन्नड़ ब्लॉकबस्टर फिल्म सु फ्रॉम सो को भी पीछे कर दिया है.3 करोड़ के बजट में बनाई गई कन्नड़ फिल्म ने वर्ल्डवाइड 121 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था, जबकि लोका चैप्टर 1 चंद्रा ने 9 दिन में सैक्निल्क के मुताबिक 143.80 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. इसमें अगर आज का घरेलू कलेक्शन जोड़ दें तो ये 150 करोड़ के ऊपर पहुंचता है.

5 फिल्में मिलकर नहीं कर पा रहीं लोका चैप्टर 1 का मुकाबला

सरगुन के जन्मदिन पर पति रवि दुबे ने शेयर की दोनों की खूबसूरत तस्वीरें

सरगुन यह तुम्हारा भाग्य है कि पूरी दुनिया तुम्हारा सम्मान करती है। मैं हर दिन कल्पना करता हूं कि मैं आंखों में कृतज्ञता के आंसू के साथ तुम्हारे पीछे खड़ा हूं।रवि दुबे ने पोस्ट में आगे लिखा मुझे नहीं पता कि तुम्हारे लिए मेरे अंदर इजत कहां से आती है। यह केवल इस जिंदगी में नहीं है। तुमने पूरी जिंदगी मुझे आशीर्वाद दिया है।

शनिवार को अभिनेत्री सरगुन मेहता एक साल और बड़ी हो गईं। इस मौके पर उन्हें उनके पति रवि दुबे ने बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर उनके साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और एक नोट लिखा है। वह तस्वीरों में सरगुन मेहता को गले लगा रहे हैं और उन्हें चूम रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में रवि दुबे ने लिखा प्यार अंधा होता है। सम्मान पाने के लिए व्यक्ति को एक ही समय में बुद्धिमान, कोमल और बचे जैसा होना चाहिए। सरगुन यह तुम्हारा भाग्य है कि पूरी दुनिया तुम्हारा सम्मान करती है। मैं हर दिन कल्पना करता हूं कि मैं आंखों में कृतज्ञता के आंसू के साथ तुम्हारे पीछे खड़ा हूं।रवि दुबे ने पोस्ट में आगे लिखा मुझे नहीं पता कि तुम्हारे लिए मेरे अंदर इजत कहां से आती है। यह केवल इस जिंदगी में नहीं है। तुमने पूरी जिंदगी मुझे आशीर्वाद दिया है। मैं इसे हर बार महसूस करता हूं। जन्मदिन मुबारक हो मेरी जान।

आपको बता दें कि रवि दुबे और सरगुन मेहता ने 7 दिसंबर 2013 को शादी की थी। पहली बार दोनों टीवी शो करोल बाग के सेट पर मिले। दोनों ने साथ में काम किया और इसी सेट पर दोनों का प्यार परवान चढ़ा।

रसाल 2019 में रवि दुबे और सरगुन मेहता ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी लॉन्च की। इसका नाम ड्रीमियाता ड्रामा है। इसके तहत उडारियां और जुनूनियत शो बने।

रवि दुबे टीवी होस्टिंग और वेब सीरीज में काम करते हैं। वह नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे।

सरगुन मेहता पंजाबी फिल्मों में काम करती हैं। वह बॉलीवुड फिल्म किस्मत और किस्मत 2 में नजर आ चुकी हैं।

एशिया कप 2025 से ठीक पहले पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी ने आखिर क्यों कहा ऐसा

सूर्यकुमार यादव से छीन लेना कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप 2025 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में अपने खिताब की रक्षा करने के लिए मैदान पर उतरेगी। सूर्यकुमार यादव पहली बार एशिया कप में टीम इंडिया की कप्तानी करने जा रहे हैं, लेकिन इस टूर्नामेंट के शुरू होने से ठीक पहले पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी मोंटी पनेसर ने उन्हें लेकर चौंकाने वाला बयान दिया। मोंटी पनेसर का मानना है कि अगर सूर्यकुमार यादव इस टूर्नामेंट में अच्छा नहीं कर पाए और अगर उनकी कप्तानी में भारत चैंपियन नहीं बन पाता है तो उनसे कप्तानी छीन लेनी चाहिए और उनकी जगह भारतीय टी20 टीम का कप्तान शुभमन गिल को बना देना चाहिए जो इस वक्त भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान भी हैं। मोंटी पनेसर ने इंडिया टीवी से बात करते हुए कहा कि शुभमन गिल में तीनों प्रारूप में भारतीय टीम की कप्तानी करने की क्षमता है। अगर सूर्यकुमार यादव टी20 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते है या फिर एशिया कप नहीं जीत पाते हैं और मुझे लगता है कि भारतीय चयनकर्ता उनसे आगे बढ़कर सिमित ओवरों की कप्तानी शुभमन गिल को सौंप सकते हैं। रोहित शर्मा के वनडे कप्तान के पद से हटने के बाद इस बात की पूरी संभावना है कि गिल सभी प्रारूपो में भारत की कप्तानी कर सकते हैं। आपको बता दें कि गिल को रोहित शर्मा के बाद पहले टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया और अब एशिया कप से पहले उन्हें भारतीय टी20 टीम का उप-कप्तान बनाया गया था। 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद वो सिमित ओवरों के क्रिकेट में नेतृत्व समूह में शामिल हो गए थे। श्रीलंका दौरे से पहले उन्हें वनडे टीम का उप-कप्तान बनाया गया था और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में वो भारतीय वनडे टीम के उप-कप्तान भी थे।

श्रेयस अय्यर को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बन सकते हैं इंडिया के कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इन दिनों एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में चयनित नहीं किए जाने के बाद काफी सुर्खियों में हैं। श्रेयस एशिया कप में खेलते हुए नजर नहीं आएंगे, लेकिन उनके सामने अभी एक मौका है। ऑस्ट्रेलिया ए के साथ इंडिया ए टीम को दो मैचों कि अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज और तीन मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा लेना है। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ जब चयनकर्ता इंडिया ए की टीम को चुनने के लिए बैठेंगे तो श्रेयस का नाम उनके सामने प्रमुख तौर पर होगा। चयनकर्ताओं के सामने मुख्य मसला ये होगा कि उन्हें क्या भूमिका दी जाए। क्रिकबज के मुताबिक इस बात की संभावना है कि उन्हें टीम में प्रमुख भूमिका मिलेगी और वो कप्तानी या फिर कुछ और भी हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया ए की टीम भारत दौरे पर अगले सप्ताह आने वाली है। श्रेयस अय्यर इस वक्त बेंगलुरु में हैं और दलीप ट्रॉफी मुकाबले में वेस्ट जोन की तरफ से खेल रहे हैं। वेस्ट जोन के लिए खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ वो सेमीफाइनल मुकाबले की पहली पारी में 25 रन के स्कोर पर खलील अहमद की गेंद पर आउट हो गए थे, लेकिन इस छोटी पर तेज पारी का उनके चयन पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है। इस बात की संभावना है कि वो इंडिया ए के लिए दो अनाधिकारिक टेस्ट मैच में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। श्रेयस आईपीएल 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक थे, लेकिन एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम में उन्हें कोई जगह नहीं दी गई, लेकिन लाल गेंद वाले मैचों के लिए उनका चयन किया जाना इस बात का संकेत है कि भविष्य में टेस्ट प्रारूप के लिए उनके नाम पर विचार किया जा सकता है भले ही वो वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज हो या फिर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली टेस्ट सीरीज हो। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मौजूदा दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के अलावा नितीश रेड्डी, अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन जैसे कुछ अन्य खिलाड़ियों के चयन पर भी विचार किया जा सकता है। इस लिस्ट में एन जगदीशन, ऋतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार भी हो सकते हैं। इंडिया ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच दो चार दिवसीय मैचों में से पहला मैच 16 सितंबर को लखनऊ में शुरू होगा, जो 11 सितंबर से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी फाइनल के ठीक एक दिन बाद होगा। इसलिए संभावना है कि टीम का चयन मौजूदा सेमीफाइनल के कुछ दिन बाद किया जाएगा जो 7 सितंबर को समाप्त होगा।

एशिया कप में भारत-पाक मैच पर बोले बीसीसीआई सचिव, हमें केंद्र सरकार की बात का पालन करना होगा

गुवाहाटी (असम), एजेंसी। दुबई में 14 सितंबर को एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर चल रही आलोचनाओं के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने हाल ही में जारी नीति का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने किसी भी ऐसे देश के साथ बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने पर प्रतिबंध नहीं लगाया है जो भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध नहीं रखता। टूर्नामेंट में भारत के अपने चिर प्रतिद्वंद्वी से भिड़ने पर नाराजगी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ गुस्से से उपजी है, जिसमें इस साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों को मार डाला था। पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने इस मुकाबले को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है और मैच का बहिष्कार करने का सुझाव भी दिया है। अगस्त में केंद्र सरकार ने खेल आयोजनों में भारतीय एथलीटों के पाकिस्तानी एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करने से निपटने के लिए एक नीति में संशोधन किया था। नीति के अनुसार भारत को बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति होगी, लेकिन वह द्विपक्षीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से परहेज करेगा।

सैकिया ने बताया, 'जहां तक बीसीसीआई का सवाल है, हमें केंद्र सरकार द्वारा औपचारिक रूप से तय की गई हर बात का पालन करना होगा। हाल ही में, किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट या अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी के संबंध में हमारी जो नीति लागू हुई है, उसके अनुसार केंद्र सरकार द्वारा कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, चाहे हम उन देशों के साथ खेलें जिनके भारत के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं। इसलिए भारत को किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सभी मैच खेलने होंगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'चूंकि आईसीसी कप एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है जिसमें एशिया महाद्वीप के देश शामिल होते हैं, इसलिए हमें खेलना होगा। और साथ ही किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए जब कोई देश भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध नहीं रखता है, तो हमें अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलना होगा। जहां तक द्विपक्षीय संबंधों का सवाल है, हम अपने किसी भी विरोधी देश के साथ नहीं खेलने जा रहे हैं।'

फिडे ग्रांड स्वीसः विश्व चैंपियन गुकेश को 14 साल के यागिज ने ड्रॉ पर रोका, वैशाली संयुक्त रूप से शीर्ष पर

समरकंद, एजेंसी। ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति से शुरुआत की थी, लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। महिलाओं के वर्ग में भारत की वैशाली ने विजयी अभियान जारी रखा और लगातार दो जीत दर्ज कर दो अंक लेकर वह संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचीं। विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस के दूसरे दौर में तुर्किये के 14 वर्षीय यागिज खान एर्दोगमस ने ड्रॉ पर रोका, जबकि गत चैंपियन आर वैशाली ने महिलाओं के वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। दो गेमों में जीत के साथ वह ऑस्ट्रिया की ओलगा बेडेल्का के साथ संयुक्त रूप शीर्ष पर हैं। ओपन वर्ग में गुकेश ने एर्दोगमस के खिलाफ जीत की स्थिति गंवा दी और अंततः ड्रॉ के लिए समझौता करना पड़ा, लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रज्ञानंद ने इवान जेनलियान्स्की को हराकर इस प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत हासिल की।

यूएस ओपनः सेमीफाइनल में हार के बाद जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज किया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन के सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को कार्लोस अल्काराज के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी, जिसके बाद सर्बियाई खिलाड़ी ने संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। जोकोविच ने पुष्टि की है कि वह अगले साल एक पूर्ण ग्रैंड स्लैम सीजन खेलना चाहते हैं। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी को 6-4, 7-6(4), 6-2 से शिकस्त देकर अपने सातवें और न्यूयॉर्क में दूसरे मेजर फाइनल में प्रवेश किया है। आर्थर ऐश स्टेडियम में करीब 2 घंटे 25 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में कार्लोस अल्काराज ने इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2024 पेरिस ओलंपिक में जोकोविच से मिली हार का बदला लिया। सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा, मैं अब भी ग्रैंड स्लैम खेलना चाहता हूं। मैं अगले साल पूरा ग्रैंड स्लैम सीजन खेलना चाहता हूं। देखते हैं कि ऐसा होता है या नहीं। लेकिन स्लैम तो स्लैम होते हैं। यह किसी भी अन्य टूर्नामेंट से अलग हैं। ये हमारे खेल के स्तंभ हैं। यह हमारे

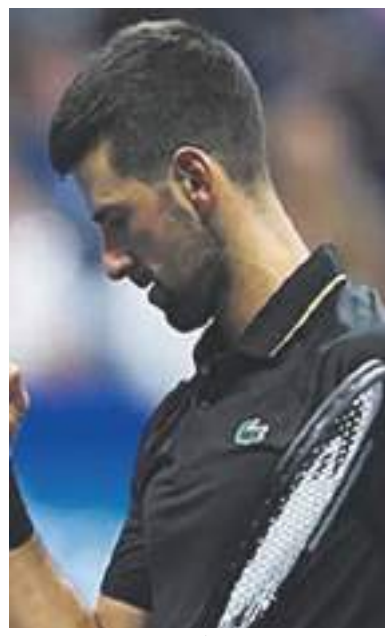

सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट हैं। नोवाक जोकोविच ने कहा, मैं अपने टेनिस के स्तर से खुश हूं, लेकिन यह शारीरिक क्षमता की बात है। जैसा कि मैंने क्वार्टर फाइनल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, मैं अपने शरीर को इस स्तर और लय को कई घंटों तक बनाए रखने के लिए तैयार करने की पूरी कोशिश करूंगा, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। अपने करियर के इस पड़ाव पर यह ऐसी चीज है, जिस पर मेरा नियंत्रण नहीं है। 100 टूर-लेवल खिताब जीत चुके नोवाक जोकोविच ने माना कि जब वह शारीरिक रूप से अपना स्तर बनाए नहीं रख पाते तो यह निराशाजनक होता है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उनकी उम्र में यह अपेक्षित है। जोकोविच ने कहा, यह समय और उम्र के साथ आता है। मैं अब भी प्रतिस्पर्धा का रोमांच महसूस करता हूं। इस मैच में दर्शकों से काफी सपोर्ट मिला। इसके लिए मैं बेहद आभारी हूं। मैंने खेल का भरपूर आनंद लिया। यही एक बड़ी वजह है कि मैं खेलता जा रहा हूं। पिछले कुछ वर्षों में मुझे दुनियाभर से जो प्यार मिला, वह अद्भुत है। कार्लोस अल्काराज अपने छठे ग्रैंड स्लैम खिताब और पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 पर वापसी की राह पर कायम हैं।

ट्रिपल एच ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में किया इस हसीन महिला रेसलर का जोरदार स्वागत, 3800 दिनों के बाद रिंग में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई यूनिवर्स में शुक्रवार की रात एक बड़ा धमाका हुआ जब पूर्व डिवाज चैंपियन एजे ली ने 10 साल बाद स्मैकडाउन में वापसी की। इस खबर ने फैंस को हैरान कर दिया, लेकिन जो कुछ टीवी पर दिखाया गया उससे भी ज्यादा खास था पर्दे के पीछे का दृश्य। डब्ल्यूडब्ल्यूई के हेड ऑफ क्रिएटिव, ट्रिपल एच ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें एजे ली अपनी सरप्राइज एंट्री से ठीक पहले डब्ल्यूडब्ल्यूई का नया कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रही हैं। ट्रिपल एच ने वीडियो के साथ लिखा, 'स्याही कागज पर। तूफान से पहले की शांति।' इस वीडियो में एजे ली शांत और गंभीर दिख रही थीं और उनके चेहरे पर 10 साल बाद घर लौटने की भावना साफ झलक रही थी। यह वीडियो तुरंत वायरल हो गया, जिसने फैंस को उनकी वापसी के एक खास पल का गवाह बनाया। एजे ली जो तीन बार डिवाज चैंपियन रह चुकी हैं उन्होंने मार्च 2015 में गर्दन की गंभीर चोट के कारण रिटायरमेंट ले लिया था। तब से उनके पति सीएम पंक या उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी जब भी रिंग में आते थे, तो फैंस एजे ली के नाम के नारे लगाते थे। उनकी वापसी का यह पल इसलिए भी खास था क्योंकि यह शिकागो में हुआ, जहां सीएम पंक और बेकी लिंच के बीच तनाव चरम पर था।

उनमें टी20 में भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता

इस खिलाड़ी की टी20 वापसी पर सुनील गावस्कर खुश

नई दिल्ली, एजेंसी। महान भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर टी20 प्रारूप में शुभमन गिल की एशिया कप 2025 के साथ वापसी से बिल्कुल भी हैरान नहीं। कई लोग इस बात पर हैरान थे कि गिल को टी20 में वापस बुलाया गया है जबकि उन्होंने जुलाई 2024 से इस प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला।

साथ ही 25 वर्षीय गिल को आगामी एशिया कप के लिए टीम का उप कप्तान भी नियुक्त किया गया है। गावस्कर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में गिल के शामिल होने पर कोई संदेह नहीं था और उन्होंने कहा कि एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में बल्ले से गिल के शानदार प्रदर्शन ने मेन इन ब्लू की टी-20 टीम में उनकी जगह लगभग पक्की कर दी है। गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर कहा, 'आईपीएल में उन्होंने जिस तरह से टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजी की उसे देखते हुए यह कोई बड़ी बात नहीं थी। आईपीएल में टी20 फॉर्मेट में वह काफी सफल रहे है। इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि उनमें टी20 में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है।

जिस तरह की फॉर्म में वह है जहां उन्होंने हाल ही में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में 750 से ज्यादा रन बनाए है, वह टी20 टूर्नामेंट के लिए भी वाकई अच्छा संकेत है। गावस्कर ने आगे कहा, 'अगर भारत अपने मैच आराम से नहीं जीत पाता है तो मुझे वाकई हैरानी होगी। उनके सभी मैच सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ ही नहीं बल्कि बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ भी।

हॉकी इंडिया ने वंदना कटारिया और ललित उपाध्याय को सम्मानित किया

राजगीर, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को महिला हॉकी टीम की पूर्व फॉरवर्ड वंदना कटारिया और पुरुष हॉकी टीम के पूर्व फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय को खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। दोनों खिलाड़ियों ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा की है। सम्मान समारोह राजगीर, बिहार में चल रहे पुरुष एशिया कप 2025 के दौरान आयोजित किया गया। हॉकी इंडिया ने वंदना और ललित को राष्ट्रीय टीमों के प्रति उनके समर्पण और सेवा के लिए 5-5 लाख रुपये के चेक प्रदान किए।

अप्रैल में आधिकारिक रूप से संन्यास लेने वाली वंदना ने 15 वर्षों से अधिक के अपने शानदार करियर को अप्रैल में अलविदा कहा था। 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों और 158 गोलों के साथ वह भारतीय महिला हॉकी इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी हैं। 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण के बाद से वंदना भारतीय हॉकी के सबसे बड़े चेहरों में रही हैं। टोक्यो ओलंपिक में भारत का

ऐतिहासिक चौथा स्थान उनके करियर की खास उपलब्धि रही। वह ओलंपिक में हैट्रिक गोल करने वाली पहली और एकमात्र भारतीय बनी थीं। सम्मान मिलने पर वंदना कटारिया ने कहा, भारत की जर्सी पहनना और अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है।

हॉकी ने मुझे सब कुछ दिया है और मैं इन यादों को हमेशा संजो कर रखूंगी। मैं इस सम्मान के लिए हॉकी इंडिया की और सबसे बढ़कर, अपने उन साथियों की बहुत आभारी हूं, जिनके साथ मैंने पिछले 15 वर्षों में हर उतार-चढ़ाव साझा किया । वे मेरे लिए एक परिवार की तरह थे। हमने एक-दूसरे को प्रोत्साहित किया, एक-दूसरे का साथ दिया और हर जीत का जश्न साथ मिलकर मनाया। उन्होंने कहा, मैंने जो कुछ भी हासिल किया है, वह उनके विश्वास, कड़ी मेहनत और जज्बे के बिना संभव नहीं होता।

मैं अपने परिवार की भी उतनी ही आभारी हूं, जो हर चुनौती और त्याग में मेरे साथ मजबूती से खड़े रहे और जिनके निरंतर प्रोत्साहन ने मुझे आगे बढ़ते रहने की शक्ति दी। मैं अपने सभी कोचों, सहयोगी स्टाफ और प्रशंसकों का भी धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने इस पूरे सफर में मुझे प्रेरित किया। ललित कुमार उपाध्याय ने जून में संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने 2014 में भारत के लिए डेब्यू किया था। 11 वर्षों में ललित ने भारत के लिए 183 मैच खेले और 67 गोल किए। उन्होंने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत की कांस्य पदक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपनी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद फॉरवर्ड में से एक बन गए।

संक्षिप्त खबरें

अतिक्रमणकारियों को चेतावनी, सफेद पट्टी लांघी तो कार्रवाई तय

गाजियाबाद। जाम के लिए नासूर बना लालकुआं क्षेत्र शनिवार को छावनी में तब्दील कर दिया गया। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने लालकुआं स्थित दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे ओवर ब्रिज से औद्योगिक क्षेत्र तक अभियान चलाकर सड़क पर रखे सामान हटवाए और 226 अतिक्रमणकारियों को बीएनएस 152 के अंतर्गत चालान किए गए। उधर, ट्रांस हिंडन क्षेत्र में भी एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव के नेतृत्व में स्वर्ण जयंती पार्क को जाममुक्त कराया गया। अतिक्रमण करने वाले 425 के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि लालकुआं चौराहे पर अभियान चलाकर अवैध पार्किंग पर वाहन खड़े करने वाले 37 अतिक्रमणकारियों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई है। जबकि सड़कों पर ठेले, फड़, अस्थायी दुकानें लगाने वाले और अपने-अपने शोरूम और दुकानों के बाहर अतिक्रमण करने 226 अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बीएनएस 152 के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। यातायात बाधित करने वाले फ्लैक्स, साइन बोर्ड और होर्डिंग आदि को भी अभियान चलाकर हटाया गया है। इसके साथ ही सड़क पर पुलिस निगरानी में सफेद पट्टी खींची गई है। आसपास के लोगों को हिदायत दी गई है कि सफेद पट्टी के अंदर अतिक्रमण किया तो उनका सामान भी जब्त होगा और जुमार्ना भी लगाया जाएगा। बताया कि लालकुआं पर अतिरिक्त नागरिक पुलिस और यातायात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। उधर, एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि इंदिरापुरम स्थित स्वर्ण जयंती पार्क को जाम मुक्त कराने के लिए बैनर और बोर्ड हटाए गए हैं। अवैध पार्किंग करने वाले 37 लोगों पर मोटरव्हीकल एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई है और 425 अतिक्रमणकारियों पर बीएनएस 152 के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

मुंबई को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला ज्योतिषी गिरफ्तार, पुलिस ले गई अपने साथ

नोएडा : अनंत चतुर्दशी के दिन मुंबई को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले ज्योतिषी को मुंबई पुलिस ने शुक्रवार देर रात सेक्टर-77 स्थित सिविटेक स्टेडिया सोसाइटी से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान मूल रूप से पटना निवासी अश्विनी कुमार के रूप में हुई है। वह पांच साल से नोएडा में रह रहा था। मुंबई पुलिस उसे अपने साथ ले गई है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने एक अन्य आरोपी अंकित गुप्ता को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने पूर्व साथी से बदला लेने के लिए उसके नाम से मैसेज किया था। मुंबई की यातायात पुलिस के कंट्रोल रूम में बृहस्पतिवार को व्हाट्सएप पर फिरोज के नाम से धमकी भरा मैसेज मिला था। इसमें दावा किया गया था कि लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी मुंबई में दाखिल हो चुके हैं और 400 किलो आरडीएक्स 34 गाड़ियों में लगाकर बड़ा धमाका करने वाले हैं। इस सूचना पर मुंबई पुलिस ने जांच शुरू की तब आईपी एड्रेस व नंबर का लोकेशन नोएडा आया। मुंबई पुलिस के अपर पुलिस आयुक्त ने पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर संपर्क कर समन्वय स्थापित किया। इसके बाद मुंबई पुलिस की टीम ने नोएडा पुलिस की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से सात मोबाइल, तीन सिम, छह मेमोरी कार्ड और चार सिम होल्डर समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। अश्वनी सोसाइटी में माता-पिता के साथ रहता है।

यूपीआई आईडी बनाकर खाते से 2.71 लाख रुपये

नोएडा: कोतवाली क्षेत्र के हरबर्टपुर में एक व्यक्ति के बैंक खाते की यूपीआई आईडी बनाकर 2.71 लाख रुपये निकाल लिए। बैंक की पासबुक में एंट्री करवाने पर व्यक्ति को धोखाधड़ी का पता चला। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी और अन्य संबंधी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली प्रभारी विनोद सिंह गुसाईं ने बताया कि शनिवार को हरबर्टपुर के आसनबाग निवासी सदर सिंह ने साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल किया। उन्होंने बताया कि 11 दिसंबर 2022 से एक व्यक्ति उनकी यूपीआई आईडी बनाकर रुपये निकाल रहा है। बैंक में पासबुक की एंट्री करवाने पर उनको पता चला कि विभिन्न यूपीआई आईडी पर 2,71,048 रुपये भेजे गए हैं। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि साइबर क्राइम थाने से कोतवाली को सूचना भेजी गई। उन्होंने बताया कि अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी और अन्य संबंधी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने नोटिस देकर हटवाया अवैध अतिक्रमण

इंदिरापुरम। थानाक्षेत्र स्थित स्वर्ण जयंती पार्क के पास करीब 500 मीटर की सड़क पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवाकर पुलिस ने रास्ते को खाली कराया। शनिवार को एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव और उनकी टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

बाढ़ ने दी मानसिक व शारीरिक चोट... बर्बाद हो गईं फसलें, मच्छर और जलजनित बीमारियों का खतरा

नई दिल्ली : बाढ़ के बाद प्रभावित क्षेत्रों में जल और मच्छर जनित सहित कई दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। यमुना का पानी अब धीरे-धीरे उतर रहा है। ऐसे में मलेरिया, डेंगू, चिकगुनिया, हैजा, त्वचा और श्वसन संबंधी बीमारियों की चपेट में लोगों के आने की संभावना बढ़ गई है।

सफदरजंग अस्पताल के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग प्रमुख डॉ. जुगल किशोर ने कहा कि बाढ़ के आने और उसका पानी उतरने पर कई तरह की समस्या देखने को मिलती है। बाढ़ में सांप और दूसरे कीड़-मकौड़े के काटने की घटना बढ़ जाती हैं। बाढ़ से कुत्ते भी हमलावर होकर काट लेते हैं। बाढ़ की चपेट में आने पर व्यक्ति को डायरिया और आई फ्लू हो जाता है। जब बाढ़ का पानी कम होने लगता है तो मच्छर जनित बीमारियों के होने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही बाढ़ से प्रभावित ऐसे लोग जो पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे होते है दवा का सेवन न करने की वजह से उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। ऐसे में लोग साफ-सफाई का जरूर ध्यान रखें।

बाढ़ प्रभावितों और मवेशियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता : कपिल

बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं। शुक्रवार रात 9 बजे कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने पुराने रेलवे पुल के पास स्थित प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से उस गोशाला का भी दौरा किया जहां बाढ़ के पानी में फंसी मवेशी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार की टीमें और अधिकारी मौके पर तैनात हैं। रात 11 बजे के बाद गाड़ियों की मदद से इन पशुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाएगा। बाढ़ प्रभावित लोगों व पशुओं दोनों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। गोशाला में फंसे बछड़ों और गायों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की पूरी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने गोरक्षा दल के युवाओं की सेवा भावना की सराहना की जो लगातार तीन दिनों से गोशाला में फंसे पशुओं की देखभाल कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि जहां पशुओं को बाहर निकालना संभव नहीं है वहां उनके भोजन और देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। सरकार की ओर से प्रभावित परिवारों के लिए भोजन, टेंट और अन्य जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

बर्बाद हो गईं फसलें, अब पानी उतरने का इंतजार

यमुना में उफान आने से न केवल लोग बेघर हुए हैं बल्कि किसानों की सारी फसलें भी बर्बाद हो गई हैं। इससे किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे में यमुना खादर, चिल्ला, पुराना उस्मानपुर, गढ़ी मांडू और सोनिया विहार के किसान यमुना का जलस्तर कम होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वह फिर से खेतों में लौटकर नई फसलें लगा सकें। यमुना डूब क्षेत्र में किसानों ने अधिकतर सब्जी की फसलें उगाईं थीं। इनमें बैंगन, भिंडी, लौकी, मूली, गाजर, टमाटर, गोभी, मटर, आलू, प्याज और मिर्च समेत अन्य फसलें शामिल थीं। किसानों ने बताया कि वह फसलें उगाने के लिए जमीन को पट्टे पर लेते हैं। इसके लिए वह अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और बैंकों से लोन लेते हैं। उनका कहना है कि उगाई हुई फसलों में से कुछ हिस्सा वह अपनी जरूरतों के मुताबिक रख लेते हैं, बाकी कि फसलें वह पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेस-1, मयूर विहार फेस-2, पांडव नगर, त्रिलोकपुरी, लक्ष्मी नगर, शकरपुर, गाजीपुर अनाज मंडी व अन्य इलाको में बेच देते हैं। फसल बेचकर जो पैसे आते हैं, उसी से ब्याज और उधार के पैसे देते हैं लेकिन बाढ़ ने सब कुछ बर्बाद कर दिया है।

यमुना की बाढ़ ने दी मानसिक व शारीरिक चोट

पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार पल्ला क्षेत्र में आई बाढ़ ने दिल्ली वालों को मानसिक के साथ शारीरिक चोट भी पहुंचाई है। अपने आशियाने के साथ जमा-पूंजी बचाने के दौरान लगी चोटें शायद ही वह कभी भुला पाएं। यही नहीं, यमुना नदी के उफान ने न केवल लोगों के घर उजाड़े, बल्कि उनकी सेहत पर भी गहरा असर डाला है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में बने राहत शिविरों में चोटिल और बीमार लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। शनिवार को विभिन्न राहत शिविरों में 200 से अधिक लोगों का इलाज किया गया, जिनमें बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा रही। ऐसे में जो सरकारी और निजी संस्थाएं कभी इन लोगों तक पहुंचती भी नहीं पाती थीं, मौजूदा समय में वह उनकी इन घावों को भरने का प्रयास कर रहीं हैं।

कांग्रेसियों ने विभिन्न मांगों को लेकर तहसील पर किया प्रदर्शन

मोदीनगर। कांग्रेस कार्यकताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर शनिवार को तहसील मुख्यालय पर हंगामा करते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने पब्लिक स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को पीएफ समेत अन्य सुविधाएं देने की मांग की। कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन नायब तहसीलदार को दिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील शर्मा के साथ कांग्रेस कार्यकर्ता शनिवार को एकत्र होकर मोदीनगर तहसील पहुंचे और जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। आक्रोशित कांग्रेसी नारेबाजी करते हुए अधिकारी गलियारे में उपजिलाधिकारी कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। सुनील शर्मा ने मांग करते हुए कहा कि पब्लिक स्कूलों के शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को भी सरकारी स्कूलों की भांति सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने पीएफ, ईएसआई और बोनस समेत अन्य सुविधाएं देने की मांग की। इस अवसर पर बृजेश सैन, शांतनु, विशाल कौशिक, रमेश चौधरी, अमर पासी, चांदवीर चौधरी, मुकुल शर्मा, विनोद गुप्ता, अभिनव शर्मा, अमजद खान, कल्पना सिंह और मुकुल शर्मा आदि मौजूद रहे।

8.76 ग्राम हेरोइन के साथ कुंजाग्रांट का पेंटर गिरफ्तार

नोएडा : सहसपुर कोतवाली पुलिस ने शनिवार को धमार्वाला से तिमली की ओर जाने वाले रास्ते से विकासनगर कोतवाली क्षेत्र के कुंजाग्रांट निवासी अब्दुलगनी को पकड़ा। उसके पास से पुलिस को 8.76 ग्राम हेरोइन मिली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह उत्तरप्रदेश के सहारनपुर जिले के मिजार्पुर निवासी एक व्यक्ति से हेरोइन खरीदकर लाया था। कोतवाली प्रभारी शंकर सिंह बिष्ट ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। पुलिस टीम ने धमार्वाला से तिमली की ओर जाने वाले रास्ते पर एक युवक को अपनी ओर आते हुए देखा। पुलिसकर्मियों ने युवक को रुकने का इशारा किया। युवक पुलिस को देख वापस जाने लगा। पुलिस ने पीछा कर युवक को पकड़ लिया। युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से हेरोइन मिली। हेरोइन की मात्रा 8.76 ग्राम थी। युवक ने बताया कि वह पेंटर है और घरों में पुताई का कार्य करता है। उसने बताया कि वह मिजार्पुर से हेरोइन खरीद कर लाया था। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

21 साल के कुणाल को आया हार्ट अटैक: गणेश विसर्जन के दौरान नाच रहा था डीजे पर, गम में बदल गईं खुशियां

- युवक की मौत का पता चलते ही लोगों की खुशियां गम में बदल गईं। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधिकारियों ने जब पोस्टमार्टम की बात की तो परिजन नाराज हो गए। इस दौरान कुछ लोगों ने हंगामा भी किया।

नई दिल्ली : मध्य दिल्ली के पटेल नगर स्थित बलजीत नगर में शनिवार शाम गणेश विसर्जन के दौरान एक हादसा हो गया। यहां डीजे की धुन पर नाचते-नाचते एक युवक अचेत होकर गिर गया। उसको नजदीकी बीएल कपूर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त कुणाल (21) के रूप में हुई है।

युवक की मौत का पता चलते ही लोगों की खुशियां गम में बदल गईं। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधिकारियों ने जब पोस्टमार्टम की बात की तो परिजन नाराज हो गए। इस दौरान कुछ लोगों ने हंगामा भी किया।

पुलिस अधिकारियों का कहना था कि युवक की मौत की वजह पता लगाने के लिए उसका पोस्टमार्टम करवाना जरूरी है।

हालांकि आशंका व्यक्त की जा रही है कि हार्ट अटैक से युवक की मौत हुई।

पुलिस के मुताबिक कुणाल प्राइवेट नौकरी करने के अलावा पढ़ाई भी कर रहा था। शनिवार को मोहल्ले से गणपति बप्पा की विदाई होना थी। पूरे मोहल्ले वाले खुशियां मनाते हुए डांस कर रहे थे। गणेश विसर्जन के लिए सभी को बवाना जाना था। घर के पास ही कुणाल बाकी लड़कों के साथ डांस कर रहा था। नाचते-नाचते वह बैठ गया और अचेत हो गया।

मनी ट्रांसफर कर्ता से एक करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

साहिबाबाद। टीलामोड़ क्षेत्र के गरिमा गार्डन मेन बाजार निवासी जावेद क्षेत्र के ही रहने वाले दो भाई राशिद और सलमान पर एक करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। जावेद पेशे से मनी ट्रांसफर का काम करते हैं। अलग-अलग समय पर रुपये ट्रांसफर कराने और उसके बाद किसी अन्य व्यक्ति के प्लॉट को अपना बताकर बिक्री करने का आरोप पीड़ित ने दोनों भाइयों पर लगाया है। पुलिस ने पांच सितंबर की रात कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

दर्ज मुकदमे में जावेद ने बताया कि राशिद और सलमान कई वर्षों से उनके साथ जुड़े थे। अक्सर दोनों अपने बैंक खातों में रुपये जमा कराते थे और उन्हें नकद रकम दे देते थे। इस वजह से उन्हें भी उन पर भरोसा हो गया था। काफी समय से दोनों भाई टाल मटोल करते हुए उनसे रुपये ट्रांसफर कराते रहे लेकिन उन्हें नकदी नहीं दी। रकम अब तक एक करोड़ हो चुकी है। बताया कि वर्ष 2022 में सलमान ने भाई राशिद की बीमारी का बहाना बताते हुए रुपयों की जरूरत बताई। साथ ही राशिद का पसौंडा के अशोक वाटिका स्थित 600 गज प्लॉट को बेचने का झांसा दिया। प्लॉट का सौदा आरोपी ने 1.50 करोड़ रुपये में किया।

उनके एक करोड़ रुपये राशिद के पास थे और बाकी 50 लाख रुपये रजिस्ट्री के समय देने की बात तय हुई। आरोप है कि जब उन्होंने अपने स्तर से जांच की तब पता चला कि प्लॉट राशिद का है ही नहीं। हालांकि तब तक आरोपी उनसे प्लॉट बिक्री के लिए हुए अनुबंध के दस्तावेज छीन चुके थे। आरोप है कि रुपये वापस मांगने पर जावेद को जान से मारने और झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई। पुलिस थाने में सुनवाई न होने पर पीड़ित ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। तब कहीं जाकर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि पीड़ित की ओर से आरोपियों के खाते में भेजी गई रकम के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिश्वत लेते हुए वायरल वीडियो के बाद मंडी के निदेशक ने दिए जांच के आदेश

साहिबाबाद। नवीन फल एवं सब्जी मंडी के सचिव का रिश्वत लेते हुए शुक्रवार को वायरल वीडियो मंडी निदेशक तक पहुंच गई। वायरल वीडियो के बाद निदेशक ने इस मामले जांच बिठा दी है। मंडी के डिप्टी डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन राजीव राय को जांच के लिए कहा गया है।

मंडी निदेशक इंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि पैसे लेते हुए मंडी सचिव की एक वीडियो उन तक पहुंची है। इस पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने इस मामले में जांच बिठा दी है। मंडी के उप निदेशक राजीव राय को जांच के लिए कहा गया है।

वह इस मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद अपनी रिपोर्ट जमा करेंगे। दूसरी ओर वीडियो वायरल के बाद शनिवार को दिनभर मंडी में व्यापारियों के बीच इसी वीडियो की चर्चा रही। व्यापारियों ने मंडी सचिव के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई। व्यापारियों में गुस्सा बढ़ गया है। व्यापारियों का कहना है कि मंडी सचिव पैसे बनाने के चक्कर में ही सब्जी मंडी में गेट नंबर 3 के पास बनी हुई 40 दुकानों को अवैध निर्माण बताकर तोड़ दिया गया।

व्यापारियों ने आरोप लगाया कि यहां के व्यापारियों से भी कुछ गार्डों के जरिए अतिरिक्त रुपये की मांग की गई गरीब व्यापारी जब मांगों को पूरा नहीं कर पाए तो उनके दुकानों को ही तोड़ दिया गया।

शुरू से विवादों में रहे मंडी सचिव

सुनील शर्मा ने जुलाई 2024 में साहिबाबाद सब्जी मंडी में मंडी सचिव का पदभार ग्रहण किया था। उसके बाद से ही वह विवादों में रहे। मंडी के अंदर रास्तों पर अतिक्रमण के मामले में पहले उन्होंने पीली लाइन खिंचवाई उसके बाद काफी दिनों तक उनके ऊपर अवैध रूप से मंडी के अंदर नारियल के ट्रकों को रुपये लेकर खड़ी करवाने के आरोप लगे।

फिर वृहद स्तर पर कई बार अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के भी आरोप लगाए गए थे। व्यापारियों ने कई बार मंडी समिति कार्यालय पर भी जमकर प्रदर्शन किया था और सचिव के कार्रवाई को भेदभाव पूर्ण करने का आरोप लगाया था।

250 से अधिक बाइकें चोरी करने वाला राजन गैंग का खुलासा

गाजियाबाद। क्राइम ब्रांच और क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने कई राज्यों में 250 से अधिक बाइकें चोरी करने वाले राजन गैंग का खुलासा किया है। गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं और इनकी निशानदेही पर 15 चोरी की बाइकें बरामद हुई हैं। गिरोह चेन स्नेचर्स को ऑन डिमांड बाइक चोरी कर बेचता था और अन्य चोरी की बाइकों को दिल्ली के कबाड़ियों और नंबर प्लेट बदलकर ग्राहकों को बेचकर रुपये बांटता था।

एसीपी अपराध सूर्यबली मौर्य ने बताया कि शुक्रवार की रात एबीएस तिराहा पर चेकिंग के दौरान पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। इनकी निशान देही पर दो बुलेट बाइकें, दो पल्सर, दो पैशन प्रो, तीन स्प्लेंडर, तीन स्कूटी, तीन अपाचे बाइक और चार फर्जी नंबर प्लेट की बाइकें बरामद की गई हैं। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम रोहन चौधरी उर्फ राजेश उर्फ राजन (31) निवासी चर्च कंपाउंड कस्बा व थाना मुरादनगर, हाल निवासी रेलवे कॉलोनी मंडावली थाना मंडावली दिल्ली, इरफान (46) निवासी ग्राम धीमरखेड़ा थाना आईटीआई जनपद उधम सिंह नगर उत्तराखंड, अश्वनी मिश्रा (43) निवासी बिहार त्रिवेणी नगर नैनी थाना नैनी प्रयागराज हाल निवासी बंघेल थाना फेस-दो जनपद गौतमबुद्धनगर, मेजर सिंह (45) निवासी ग्राम रजापुर थाना सदर पानीपत जनपद पानीपत हरियाणा और अश्वनी शर्मा (23) निवासी नंदग्राम बताए हैं।

चेन स्नेचर्स की ऑन डिमांड पर चोरी करते थे हाई स्पीड बाइक

राजन गैंग दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में बाइकों की चोरी को अंजाम देता था। गिरोह चेन स्नेचर्स की ऑन डिमांड पर हाई स्पीड बाइक चोरी करता था और फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उन्हें बेच देता था। बाकी बाइकों को खुद ग्राहक खोजकर 20 से 25 हजार रुपये में बाइक बेच देता था। गिरोह का पकड़ा गया सदस्य मेजर सिंह मनप्रीत उर्फ गोल्डी के साथ मिलकर दिल्ली के मायापुरी में दुपहिया वाहनों को बिकवाने व कटवाने का काम करते थे। एलएन चाबी से बाइक को चार से पांच सेकंड में चोरी कर लेते थे। यह गिरोह दुपहिया वाहन चोरी कर क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र की निमार्णाधीन सोसायटी अंसल एक्वापोलिस में छिपाकर रखता था।

रोहन और अश्वनी पर है हत्या का आरोप

गैंग का सरगना रोहन चौधरी मूल रूप से मुरादनगर का रहने वाला है। वर्ष 2007 में थाना रोहिणी सेक्टर-सात दिल्ली से हत्या के मामले में रोहन जेल जा चुका है, इस दौरान वह नाबालिक था। इसके बाद वह गुड़गांव हरियाणा से भी हत्या के आरोप में जेल गया था। रोहन चौधरी के खिलाफ दो हत्या सहित 20 मुकदमे वाहन चोरी के दर्ज हैं।

पीईटी व मूर्ति विसर्जन की भीड़ से चरमराया यातायात, लगा जाम

गाजियाबाद। शहर में पीईटी के अभ्यर्थियों की भीड़ और गणपति मूर्ति विसर्जन के लिए अलग-अलग क्षेत्रों से निकले शोभायात्रा के चलते शनिवार को हर तरफ जाम की स्थिति रही। रूट डायवर्जन व्यवस्था फेल हो गई। मेरठ रोड सहित शहर के कई मुख्य मार्गों पर रात तक जाम लगा रहा। गंगनहर पहुंचे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी को भी जाम से रुबरू होना पड़ा। परीक्षा के लिए बाहरी जनपदों से करीब एक लाख आठ हजार अभ्यर्थी शहर में जुटे थे। वहीं मूर्ति विसर्जन के लिए गंगनहर व हिंडन घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव शनिवार दोपहर से था।

ऐसे में वाहनों का दबाव अधिक होने पर रूट डायवर्जन की व्यवस्था चरमरा गई। अधिकांश मुख्य मार्ग जाम की गिरफ्त में रहे। दोपहर को मेरठ रोड स्थित गंगनहर से मुरादनगर बस स्टैंड तक करीब छह किलोमीटर लंबा जाम लगा। मेरठ से गाजियाबाद तक 40 मिनट का सफर वाहनों ने रेंगकर डेढ़ से दो घंटे में पूरा किया। हालांकि मेरठ के जानी और नानू से गंगनहर पटरी होकर मुरादनगर आने वाले वाहनों का आवागमन यातायात पुलिस ने बंद कर रूट डायवर्जन रखा।

इमरजेंसी में बेड खाली, स्ट्रेचर पर कराहते हैं मरीज

गाजियाबाद। एमएमजी अस्पताल में बेड खाली होने के बाद भी मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है। इस कारण इलाज के लिए आए मरीजों को स्ट्रेचर पर लेटने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि सभी बेड मरीजों से भरे पड़े हैं, जबकि रिकॉर्ड के अनुसार 60 से 75 बेड ऑक्यूपेंसी दशार्या जा रहा है। इस रवैए से न केवल मरीज बल्कि उनके तीमारदार भी हताश और नाराज हैं। शनिवार को एमएमजी अस्पताल में 2316 मरीजों ने पंजीकरण कराया। इनमें 1105 महिलाएं, 810 पुरुष और 401 बच्चे थे। इन मरीजों में अधिकतर को वायरल फीवर, पेट दर्द, उल्टी-दस्त, खांसी, जुकाम, स्किन एलर्जी, रक्तचाप, मधुमेह जैसी समस्याएं थीं। कई मरीज ऐसे भी थे जिन्हें लंबे समय से बुखार की शिकायत थी और प्राथमिक इलाज के बाद भी आराम नहीं मिला। वहीं, बच्चों में डायरिया और सर्दी-जुकाम के मामले अधिक सामने आए। इन बीमारियों से जूझते मरीजों को इलाज की जरूरत है लेकिन संसाधनों की कमी और अव्यवस्था के चलते उन्हें समुचित उपचार नहीं मिल पा रहा। इमरजेंसी में 85 मरीजों का इलाज हुआ। इसमें से 112 मरीज भर्ती किए गए जबकि छह को रेफर करना पड़ा।

गंभीर मरीजों के लिए बेड रिजर्व का दिया हवाला

इमरजेंसी ड्यूटी में मौजूद ईएमओ डॉ. डीके वर्मा ने कहा कि इमरजेंसी के बेड किसी घटना-दुर्घटना के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इसलिए सामान्य मरीजों को बेड पर भर्ती नहीं किया जा रहा है।

पेट में दर्द और उल्टी-दस्त का मरीज दो घंटे तक स्ट्रेचर पर पड़ रहा

नंदग्राम निवासी भोला (48) को दो दिन से पेट में दर्द और उल्टी-दस्त की शिकायत हो रही थी। शनिवार को पत्नी ने इमरजेंसी में भर्ती कराया लेकिन उन्हें बेड नहीं दिया गया। वह स्ट्रेचर पर ही लेटे रहे। भोला ने दोपहर एक बजे बताया कि वह दो घंटे से स्ट्रेचर पर पड़े हैं।

इमरजेंसी से जाने के लिए बोला, नहीं मिला बेड

विजय नगर निवासी बुजुर्ग इलमचंद (85) को कई दिन से बुखार होने के साथ ही खांसी की परेशानी हो रही थी। उन्हें शनिवार को इमरजेंसी में भर्ती कर ग्लूकोज की बोतल लगा दी गई। कुछ देर के बाद उनसे कहा गया कि बेड खाली नहीं है। इसलिए उन्हें ले जाओ।

पिता का इलाज कराने आए उनके बेटे ने बताया कि पिता के नाम से आयुष्मान कार्ड भी बना है लेकिन उन्हें बेड नहीं मिल पा रहा है।

मामले की होगी जांच

सीएमएस डॉ. राकेश कुमार का कहना है महिला वार्ड में बी-ब्लॉक बंद कर दिया गया है, इसके अलावा नेत्र रोग विभाग के 15 बेड भी खाली रहते हैं। उन पर सिर्फ आंख के ऑपरेशन वाले मरीज भर्ती होते हैं। इसके अलावा ऑपरेशन के बाद छह बेड रिकवरी के खाली रहते हैं। यह बेड ऑक्यूपेंसी की क्षमता को कम करते हैं। सीएमएस का कहना है कि बेड खाली होने पर भी मरीजों को भर्ती नहीं गया तो यह गंभीर मामला है। इसकी जांच कराई जाएगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)